पटना ●सोमवार, 06 जनवरी 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः352 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

नगर विकास के लिए की गई बैठक... 3 www. bordernewsmirror.com आयरा बंसल तेलुगु फिल्मों में... 7

यूपी में शिक्षामित्रों को डबल तोहफा देगी योगी सरकार

● पोस्टिंग ऑर्डर के बाद तत्काल बढ़ने जा रही है सैलरी!

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में शिक्षामित्रों के लिए बैक-टू-बैक बड़े फैसले सामने आने रहे हैं। अब दूसरे जिले से अपने घर के नजदीक के स्कूल में तबादले संबंधी आदेश के बाद अब मानदेय में बड़ी बढ़ोत्तरी की तैयारी हो रही है। सूत्रों के अनुसार अब 9 से 10 हजार का वेतन पा

रहे शिक्षामित्रों की सैलरी 17 हजार से 20 हजार के बीच तक हो जाएगी। योगी सरकार ने राज्य के लाखों कार्मिकों से जुड़ा यह फैसला लागू करवाने की तैयारी की है। यूपी में योगी सरकार शिक्षामित्रों और अनुदेशकों समेत राज्य के करीब 8 लाख कार्मिकों के वेतन और मानदेय में बढ़ोतरी की तैयारी कर रही है। सूत्रों के मुताबिक सीएम योगी आदित्यनाथ ने न्यूनतम मजदूरी की दर से या उससे कम वेतन पाने वाले संवर्गों के कार्मियों को एक समान 17 हजार से 20 हजार रुपये प्रतिमाह देने के निर्देश दिए हैं।

विचारधारा नहीं, बल्कि विचारों का खालीपन है बड़ी समस्या

● गड़करी बोले-राजनीति में सत्तारूढ़ पार्टी की ओर भागते हैं लोग

पुणे (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को कहा कि राजनीति को लेकर उनकी राय अच्छी नहीं है, क्योंकि इसमें इस्तेमाल करो और फेंको की रणनीति अपनाई जाती है। उन्होंने सवाल किया कि राजनीति में सत्तारूढ़ पार्टी में शामिल होने की होड़ रहती है, ऐसे में लोगों की विचारधारा और निष्ठा कहां चली जाती है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री और भारतीय

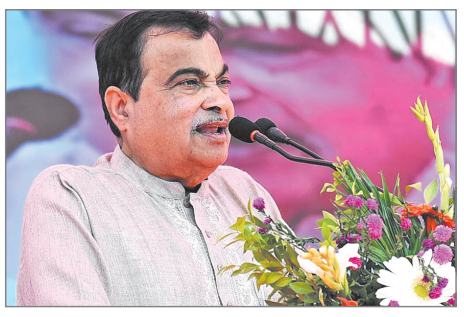

जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता गडकरी ने यह भी कहा कि देश में विचारधारा नहीं, बल्कि विचारों का खालीपन समस्या है। उन्होंने कहा,कई लोग सत्ता में आने वाली पार्टी में शामिल हो जाते हैं, ऐसे में उनकी विचारधारा और निष्ठा कहां चली जाती है। हमारे देश में विचारधारा नहीं, बल्कि विचारों का खालीपन समस्या है। पुणे में मराठा सेवा संघ की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि अगर देश को प्रगति करनी है, तो सबसे पहले अपने घर-परिवार का ख्याल रखना होगा।

प्रियंका के गालों जैसी बनवाएंगे दिल्ली की सड़कें

● भाजपा के पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी का विवादित बयान, कांग्रेस हमलावर

● पवन खेड़ा ने कहा-ये घटिया आदमी की मानसिकता,संघ के दिए संस्कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से भाजपा कैंडीडेट रमेश बिधूड़ी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी पर आपत्तिजनक कमेंट किया। बयान का वीडियो कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने एक्स पर शेयर किया।

रमेश बिधूड़ी वीडियो में कहते दिख रहे हैं, लालू ने वादा किया था कि बिहार की सड़कों को हेमा मालिनी के गालों जैसा बना दूंगा, लेकिन वे ऐसा नहीं कर पाए। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं, जैसे ओखला और संगम विहार की सड़कें बना दी हैं, वैसे ही कालकाजी में सारी की सारी सड़कें प्रियंका गांधी के गाल जैसी बना दूंगा। पवन खेड़ा ने इस बयान पर ऐतराज जताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा,यह बदतमीजी सिर्फ इस घटिया आदमी की ही मानसिकता नहीं दिखाती, यह है इसके मालिकों की असलियत। ऊपर से लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्कार आपको भाजपा के इन ओछे नेताओं में दिख जाएंगे। बिधूड़ी ने कहा- कांग्रेस लालू से कहे कि वो हेमा मालिनी से माफी मांगें कांग्रेस के विरोध पर रमेश बिधूड़ी ने कहा,मैंने कोई विवादित बयान नहीं दिया है।

लक्ष्यद्वीप में गोताखोरों के हाथ लगा 'खजाना'

समुद्र के अंदर से ढूंढ़ निकाला प्राचीन युद्धपोत

नई दिल्ली (एजेंसी)। लक्षद्वीप में गोताखोरों ने एक अहम खोज की है। 17वीं या 18वीं शताब्दी के यूरोपीय युद्धपोत का मलबा उनके हाथ लगा है। दरअसल, गोताखोर लक्षद्वीप द्वीपसमूह में कल्पेनी द्वीप के पास समुद्री जीवन की खोज पर निकले थे, जहां उन्हें युद्धपोत मिला। यह द्वीप के पश्चिमी किनारे पर पड़ा हुआ था। रिसर्चर्स का मानना है कि जहाज का मलबा तीन यूरोपीय देशों (पुर्तगाल, डच या ब्रिटिश) से संबंधित है। यह इस क्षेत्र में इस तरह की पहली खोज बताई जा रही है। जहाज का जो मलबा मिला है उसे लेकर आगे की स्टडी जारी है। अब तक अध्ययन से पता चला कि 17वीं और 18वीं शताब्दी में समुद्री संघर्षों से इस मलबे का ऐतिहासिक लिंक हो सकता है। खासकर जब मध्य पूर्व और श्रीलंका के बीच व्यापार मार्ग को लेकर प्रभुत्व की लड़ाई हुआ करती थी। मौके से एक तोप की उपस्थिति और जहाज के आकार से पता चलता है कि यह युद्धपोत रहा होगा। इसे लोहे और लकड़ी को मिलाकर बनाया गया था। एक समुद्री खोजकर्ता ने कहा, कलपेनी के पश्चिमी किनारे पर हमें यह मलबा मिला। उस वक्त तक नहीं पता था कि यह कोई युद्धपोत था। कुछ समय बाद हमें वहां पर एक तोप और लंगर भी मिला। ऐसे में हमें एहसास हुआ कि यह एक बड़ी खोज हो सकती है। इदरीस बाबू विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग में एक वैज्ञानिक हैं। वह गोताखोरों के समूह के मेंटर हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में पहले ऐसे जहाज का मलबा नहीं मिला। उन्होंने कहा कि यह जहाज 50-60 मीटर लंबी रही होगी। ईस्ट इंडिया कंपनी 17वीं या 18वीं सदी में इस व्यापार मार्ग पर लोहे के जहाजों का इस्तेमाल करती थी। अब इसे लेकर और अधिक जानने के लिए पानी के नीचे पुरातात्विक अध्ययन की जरूरत होगी।

एजुकेशन में प्राइवेटाइजेशन सही नहीं, खर्च बढ़ाना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने युवाओं का बेहतर भविष्य बनाने को लेकर अपनी राय जाहिर की। शनिवार को उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के कुछ छात्रों के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि

● मद्रास आईआईटी के स्टूडेंट से बोले कांग्रेस नेता राहुल गांधी, की चर्चा

निजीकरण और वित्तीय प्रोत्साहन के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हासिल नहीं की जा सकती। राहुल ने इस दौरान कांग्रेस और भाजपा के बीच अंतर भी बताया। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी का मानना है कि संसाधनों का वितरण अधिक निष्पक्ष तरीके से करना चाहिए। विकास व्यापक और समावेशी होना चाहिए। कांग्रेस सांसद ने बीजेपी को लेकर कहा, आर्थिक नजरिए से वे ट्रिपल-डाउन में विश्वास करने वाले लोग हैं। सामाजिक मोर्चे पर हमारा मानना है कि समाज जितना ज्यादा सामंजस्यपूर्ण होगा, जितने कम लोग आपस में लड़ेंगे, यह स्थिति देश के लिए उतनी ही बेहतर होगी। राहुल गांधी ने अपने यूट्यूब चैनल पर यह

वीडियो पोस्ट कर कहा, 'मुझे हाल ही में आईआईटी मद्रास के कुछ प्रतिभाशाली युवाओं से बात करने का सौभाग्य मिला। साथ में, हमने जानने का प्रयास किया कि सफलता का वास्तव में क्या मतलब है। हमने भारत के भविष्य को आकार देने में रिसर्च, शिक्षा की अहम भूमिका और एक ऐसे उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर चर्चा की जो निष्पक्षता, नवाचार और सभी के लिए अवसर को महत्व देता है।'

एएपी ने दिल्ली में हर मौसम को आपदाकाल बना डाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले पीएम मोदी रविवार को रोहिणी पहुंचे। यहां मोदी ने जापानी पार्क में करीब 35 मिनट का भाषण दिया। पीएम ने दिल्ली की

● कहा-गर्मी में पानी की मारामारी, सर्दी में मिलती है प्रदूषित हवा

एएपी सरकार को एक बार फिर आपदा सरकार बताया। मोदी ने केजरीवाल को शराब घोटाले, स्कूल घोटाले और शीशमहल जैसे मुद्दों पर घेरा। पीएम ने कहा- दिल्ली की आपदा सरकार के पास न कोई विजन है, न दिल्ली वालों की परवाह है। इन्होंने हर मौसम का आपदाकाल बना दिया। जब

पीएम बोले-कच्चा चिट्ठा खोला तो बौखला गए आपदा वाले

काला चिट्ठा सबके सामने उजागर किया तो मुझ पर भड़कने लगे। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को राजधानी में 12 हजार 200 करोड़ रुपए से ज्यादा की योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया। उन्होंने आज दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के साहिबाबाद से न्यू अशोक नगर तक के सेक्शन का उद्घाटन किया। मोदी का दिल्ली में पिछले 3 दिन में यह तीसरा कार्यक्रम है। ये भाजपा ही है जो दिल्ली का विकास कर सकती है। बीते 10 साल में दिल्ली ने जिस तरह की राज्य सरकार देखी है। वो किसी आपदा से कम नहीं है। ये अहसास आज दिल्लीवालों को अच्छे से हो चुका है। अब दिल्ली में एक ही आवाज गूंज रही है। आपदा नहीं सहेंगे, बदलकर रहेंगे।

दिल्ली को आधुनिक बनाने में जुटी है बीजेपी सरकार

केंद्र की योजनाओं पर आज भी दिल्ली को आधुनिक बनाने के जितने भी काम हैं, वो केंद्र की भाजपा सरकार ही कर रही है। दिल्ली में जो बड़े-बड़े प्रोजेक्ट, संस्थान और संस्थाएं हैं, उनका जिम्मा केंद्र सरकार के पास है। जैसे दिल्ली मेट्रो चप्पे-चप्पे तक पहुंची तो ये काम केंद्र सरकार ने किया। बीते एक दशक में दिल्ली एनसीआर में मेट्रो नेटवर्क दोगुने से भी ज्यादा हो चुका है। आज जनकपुरी और कृष्णापार्क के लिए भी मेट्रो शुरू हो चुकी है।

अगले 25 साल भारत को विकसित राष्ट्र बनते हुए देखेंगे

आने वाले 25 साल भारत के भविष्य के लिए दिल्ली के भविष्य के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। ये 25 साल भारत को विकसित राष्ट्र बनते हुए देखेंगे। अपनी आंखों के सामने, विकसित भारत की ये यात्रा हम देख पाएंगे। हम उसके भागीदार होंगे। ये भारत को आधुनिकता के एक नए दौर से गुजरते हुए देखेंगे। विकसित भारत के इस सफर का एक बहुत बड़ा पड़ाव जल्द ही आने वाला है। जब भारत दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक ताकत बनेगा। डबल इंजन सरकार पर केंद्र की भाजपा सरकार ने दिल्ली की सुरक्षा के लिए, स्वास्थ्य के लिए, विकासकार्यों के लिए 75 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा दिए हैं।

'सांस' से जुड़ी बीमारियों को लेकर सतर्क है मोदी सरकार

स्वास्थ विभाग ने कहा-किसी भी बढ़त से निपटने को हैं तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन में कोविड जैसे वायरस ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के बढ़ते मामलों के बीच भारत सरकार ने शनिवार को जॉइंट मॉनीटरिंग ग्रुप की बैठक की। बैठक के बाद सरकार ग्रुप ने कहा कि फ्लू के मौसम को देखते हुए चीन की स्थिति असामान्य

नहीं है। केंद्र सरकार ने एक बयान में कहा-देश सांस से जुड़ी बीमारियों के मामलों में किसी भी बढ़त से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। चीन में फ्लू के बढ़ते मामलों की वजह यह वायरस है। इस मौसम में इन्फ्लुएंजा के सामान्य वायरस हैं। सरकार स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है। साथ ही एचएमपीवी से चीन की स्थिति के बारे में समय-समय पर अपडेट देने को कहा है। बैठक डायरेक्ट्रेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विस की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। इसमें विश्व स्वास्थ्य संगठन , सेंटर फॉर डिजास्टर कंट्रोल, इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस प्रोग्राम , नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च,

● मोदी सरकार बोली-एचएमपीवी इस मौसम में सामान्य वायरस

इमरजेंसी मेडिकल रिलीफ डिवीजन और एम्स-दिल्ली सहित कई एक्टपर्ट्स ने भाग लिया। सरकार बोली-एहतियात के तौर पर टेस्टिंग लैब बढ़ाएंगे सरकार ने कहा कि भारत में एचएमपीवी और अन्य वायरस के जरिए इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी और इन्फ्लूएंजा के लिए गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी के लिए मजबूत निगरानी सिस्टम मौजूद है। दोनों एजेंसियों के आंकड़ों से पता चलता है कि कोई असामान्य बढ़त नहीं हुई है।

गुजरात के पोरबंदर में कोस्टगार्ड का हेलीकॉप्टर क्रैश

● 3 लोगों की मौत,नियमित उड़ान पर था एएलएच ध्रुव

पोरबंदर (एजेंसी)। गुजरात के पोरबंदर में रविवार दोपहर 12 बजे इंडियन कोस्ट गार्ड का हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, कोस्ट गार्ड का हेलिकॉप्टर ध्रुव

नियमित उड़ान पर था। पोरबंदर एयरस्ट्रिप पर लैंडिंग के दौरान हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। हेलीकॉप्टर के गिरते ही उसमें आग लग गई। कोस्ट गार्ड ने बताया कि हेलीकॉप्टर में 2 पायलट समेत 3 लोग सवार थे। जानकारी मिल रही है कि हादसे में सभी की मौत हो गई। पिछले साल 2 सितंबर को भी इंडियन कोस्ट गार्ड का एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (ध्रुव) पोरबंदर तट के पास अरब सागर में गिर गया था। इस दौरान हेलीकॉप्टर में सवार एक को बचा लिया गया था।

एक और खुशखबरी

सिर्फ तीन घंटे में ही कश्मीर पहुंचाएगी वंदे भारत ट्रेन

ट्रेन रूट लगभग तैयार, जल्द ही इसकी होगी लॉन्चिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। वंदे भारत का स्लीपर वर्जन जल्द लॉन्च होने जा रहा है। इसके जरिए लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्री आराम से सोते हुए सफर कर सकेंगे। लोगों को स्लीपर वंदे भारत का बेसब्री से इंतजार है। माना जा रहा है कि जल्द ही स्लीपर वंदे भारत राजधानी दिल्ली से श्रीनगर के लिए लॉन्च की जा सकती है। इस बीच, जम्मू से श्रीनगर के बीच वंदे भारत ट्रेन के टाइमटेबल का ऐलान हो गया है। सिर्फ तीन घंटे में ही कश्मीर जाने वाले यात्री बर्फबारी का मजा लेते हुए जम्मू से श्रीनगर पहुंच सकेंगे। यह रेल यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी जैसा अपडेट है। जम्मू से श्रीनगर के बीच वंदे भारत से महज तीन घंटे 10 मिनट का समय लगेगा। इसके अलावा, दो और मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरुआत जम्मू से श्रीनगर के लिए होगी। मालूम हो कि जम्मू से श्रीनगर ट्रेन रूट लगभग बनकर तैयार हो चुका है और जल्द ही इसकी लॉन्चिंग होगी। इसी रूट पर दुनिया का सबसे ऊंचा रेल ब्रिज चिनाब नदी पर बनाया गया है। इसी ब्रिज से वंदे भारत भी होकर गुजरेगी। यह ब्रिज पेरिस के एफिल टावर से भी ऊंचा है। जम्मू से श्रीनगर के बीच चलने वाली वंदे भारत कटरा स्टेशन से सुबह 8.10 पर चलेगी। इसके बाद यह श्रीनगर सुबह 11.20 पर पहुंच जाएगी।

हरियाणा में लड़कियों के लिए सुरक्षित नहीं स्कूल!

● 700 से ज्यादा स्कूलों में शौचालय ही नहीं,चौंकाने वाली रिपोर्ट

चंडीगढ़ (एजेंसी)। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से इस हफ्ते की शुरुआत में स्कूलों की हालत को लेकर कुछ आंकड़े जारी किए गए। इसके मुताबिक, हरियाणा के स्कूलों में बुनियादी ढांचे की कमी साफ तौर पर नजर आती है। राज्य में कुल 23,517 स्कूल हैं जिनमें से 767 में लड़कियों के लिए शौचालय नहीं हैं। 1,263 स्कूल ऐसे भी हैं जहां लड़कों के लिए टॉयलेट नहीं हैं। आंकड़े बताते हैं कि हरियाणा में 22,918 स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय हैं, मगर उनमें से केवल 22,750 ही इस्तेमाल करने लायक हैं। इसी तरह 22,421 स्कूलों में लड़कों के लिए शौचालय हैं, जिनमें से 22,254 ही चालू हैं।

नीतिश की 'ना' पर बिहार में सियासी घमासान

आरजेडी बोली-कौन उन्हें बुला रहा है, हमें जरूरत नहीं

पटना (एजेंसी)। जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के खुले ऑफर को ठुकरा दिया है। शनिवार को गोपालगंज और रविवार को मुजफ्फरपुर में प्रगति यात्रा के दौरान नीतिश कुमार ने बगैर सवाल किए कहा कि गलती से दो बार उनके साथ चले गए थे, अब इधर उधर नहीं जाएंगे। लालू को नीतिश की ना पर सर्दी के मौसम में सियासी पारा हाई हो गया है। राजद ने कहा है कि उन्हें बुला कौन रहा है तो बीजेपी और जदयू ने यह कहकर पलवार किया है कि लालू यादव डरे हुए हैं इसीलिए ऐसा ऑफर दे रहे हैं। कांग्रेस ने कहा है कि नीतिश कुमार जब ना कहते हैं तो उसका मतलब ना नहीं होता है। रविवार को नीतिश कुमार प्रगति यात्रा पर मुजफ्फरपर पहुंचे। करीब 450 करोड़ की योजनाओं की सौगात जिला वासियों को दी। इस दौरान वे मीडिया कर्मियों से मुखातिब हुए। सीएम ने कहा कि हम गलती ते दो बार उनके साथ चले गए थे। अब पुराने साथी के साथ आ गए हैं। अब उधर कभी नहीं जाएंगे। लालू राबड़ी सरकार पर आरोप लगाते हुए नीतिश कुमार ने कहा कि उन लोगों ने महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया। शाम में कोई घर से बाहर नहीं निकलता था। विकास का सब काम हमने सत्ता में आने के बाद किया। नीतिश कुमार के इस बयान पर राजद और कांग्रेस की सख्त प्रतिक्रिया सामने आई है।

● बीजेपी-जेडीयू ने भी खोला मोर्चा,कहा-लालू डरे हुए हैं

महाकुंभ में श्रद्धालुओं के लिए चलेंगी 40 इलेक्ट्रिक बसें

● 15 बसों का संचालन 13 जनवरी से पहले होगा, 25 बसें मौनी अमावस्या पर आएंगी

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ में श्रद्धालुओं को दिक्कत न हो ऐसे में प्रयागराज में इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू हो रहा है। 13 जनवरी से पहले शहर की सड़कों पर ई-बसें दौड़ने लगेंगी। इन इलेक्ट्रिक बसों से श्रद्धालु आ-जा सकेंगे। शुरुआत में श्रद्धालुओं के लिए 15 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन होगा। 29 जनवरी को मौनी अवास्या के प्रमुख स्नान पर्व तक 25 और बसों को लखनऊ मुख्यालय से प्रयागराज लाया जाएगा। ये इलेक्ट्रिक बसें विभिन्न रूटों पर श्रद्धालुओं को परिवहन सेवा उपलब्ध कराएंगी।

सिपाही भर्ती परीक्षा,फिजिकल टेस्ट के लिए 3-5 लाख में डील: 33 अभ्यर्थी गिरफ्तार

बायोमैट्रिक जांच के दौरान पकड़ाए कैंडिडेट; ब्रोकर की तलाश में पुलिस

पटना, एजेंसी। पटना में सिपाही बहाली परीक्षा को लेकर 9 दिसंबर से फिजिकल टेस्ट चल रहा है। इस दौरान 33 अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभ्यर्थियों के अनुसार लगभग 200 से अधिक अभ्यर्थियों ने अपनी जगह स्कॉलर को बैठाकर अपना रिटेन एग्जाम क्लियर कराया था। हर अभ्यर्थी से 1 से 5 लाख तक में डील हुई थी। परीक्षा होने के पहले 50 हजार से 1 लाख रुपया तक एडवांस अमाउंट दिया गया था। बाकी का पैसा रिटेन परीक्षा के बाद देने की बात हुई थी। वहीं रिटेन और फिजिकल के लिए 3 से 5 लाख का डिमांड दलाल कर रहे थे।

कई अभ्यर्थियों ने रिटेन एग्जाम रिजल्ट के बाद पूरा पैसा भी दे दिया। वहीं कुछ अभ्यर्थियों ने तय पैसे का 50 से 60 प्रतिशत तक ही पैसा दिया है, लेकिन वे फिजिकल परीक्षा के दौरान पकड़े गए। इनका दिया हुआ पैसा भी डूब गया। पटना के गर्दनीबाग थाने की पुलिस ने 33 अभ्यर्थियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इसमें ज्यादातर बायोमैट्रिक अटेंडेंस के दौरान थंब इंप्रेशन मैच नहीं होने के कारण पकड़े गए। वहीं कुछ अभ्यर्थियों को वीडियोग्राफी के दौरान फेस मैच नहीं होने के कारण गिरफ्तार किया गया।

शक के आधार पर की गई पूछताछ

दरअसल, 4 जनवरी को चौथे चरण के फिजिकल एग्जाम के अंतिम दिन पटना के गर्दनीबाग थाने की पुलिस ने 4 सिपाही अभ्यर्थी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभ्यर्थी पटना में हो रहे सिपाही बहाली फिजिकल परीक्षा देने गर्दनीबाग थाना अंतर्गत पटना हाई स्कूल मैदान के सेंटर पर पहुंचे थे, जहां बायोमेट्रिक मिलान नहीं हुआ। शक के आधार पर उनसे पूछताछ की गई, तो असलियत सामने आई। पूछताछ में अभ्यर्थियों ने बताया कि स्कॉलर से अपना रिटेन एग्जाम दिलवाया था। इसके बाद खुद गर्दनीबाग सेंटर पर मंगलवार को फिजिकल परीक्षा देने पहुंचे थे। चारों अभ्यर्थियों को गर्दनीबाग थाने की पुलिस के हवाले कर दिया गया। पकड़े गए अभ्यर्थियों में खगड़िया निवासी मधुकांत कुमार, बांका निवासी राहुल कुमार, अरवल निवासी विकाश कुमार, बेतिया निवासी सिद्धार्थ कुमार शामिल हैं। वहीं अब तक सिपाही बहाली फिजिकल परीक्षा देने आए कुल 33 अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इन्हें सेंटर पर गलत डॉक्यूमेंट के साथ प्रवेश करने और इसमें गलत तरीके से शामिल होने की कोशिश के जुर्म में जेल भेज दिया है।

कैसे हुई दलाल से सेटिंग

पटना से पकड़े गए 33 अभ्यर्थियों में से एक मोहन कुमार ने बताया कि वह इस परीक्षा के शुरुआती दौर में यहां आता था। यहीं दलाल भी घूमते हैं। यहीं एक दलाल से बात हुई। मेरी जानकारी में वहां से 100 से अधिक अभ्यर्थियों ने दलाल से सेटिंग कर अपना रिटेन टेस्ट पास कराया है। कुछ ऐसे भी हैं, जिन्होंने रिटेन खुद दिया है और फिजिकल के लिए दूसरे को भेजा था। रिटेन टेस्ट के ज्यादातर अभ्यर्थी फिजिकल में पकड़े जाने के डर से परीक्षा में शामिल नहीं हुए, जिन्होंने हिम्मत की उसमें से 33 पकड़े गए। गिरफ्तार मोहन जहानाबाद का रहने वाला है। अभ्यर्थी पटना में हो रहे सिपाही बहाली की फिजिकल परीक्षा देने गर्दनीबाग स्थित सेंटर पर पहुंचा था। अभ्यर्थी का वीडियोग्राफी में फेस मिलान नहीं होने से शक हुआ। फिर पूछताछ के बाद उसकी गिरफ्तारी हुई।

1 से 5 लाख तक में हुई है डील

पटना से पकड़े गए सिपाही अभ्यर्थी मोहन कुमार ने बताया कि वह जहानाबाद के घोषी थाना इलाके के आनंतपुर गांव का रहने वाला है। जहानाबाद जिले के साहो बिगहा निवासी लव कुमार के माध्यम से एक स्कॉलर रौशन कुमार ने उसके बदले लिखित परीक्षा दिया था। इसके लिए उसने 50 हजार रुपए एडवांस दिया था और रिजल्ट आने के बाद 1 लाख रुपए दिया गया। अलग-अलग अभ्यर्थी से अलग-अलग रकम पर डील तय हुई है। मोहन ने पुलिस को बताया है कि जहानाबाद का रहने वाला लव ही बिचौलिया के रूप में काम कर रहा था। जहानाबाद जिले के आसपास के लगभग 50 अभ्यर्थियों से पैसों का लेन-देन कर उनकी जगह स्कॉलर को बैठाया था। सभी अभ्यर्थियों से 1 से 5 लाख रुपयों तक में डील हुई थी।

21,391 पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा

दरअसल, केंद्रीय चयन पर्षद के द्वारा सिपाही भर्ती की फिजिकल परीक्षा अब तक 4 चरणों में आयोजित हो चुकी है। सिपाही भर्ती परीक्षा के रिटेन टेस्ट में 1 लाख 7 हजार 79 अभ्यर्थी सफल हुए थे। यह परीक्षा 7, 11, 18, 21, 25 और 28 अगस्त 2024 को हुई थी। परीक्षा, बिहार पुलिस कॉन्स्टेबल के 21 हजार 391 रिक्त पदों को भरने के लिए ली गई थी। इस भर्ती परीक्षा में 17 लाख 87 हजार 720 कैंडिडेट ने आवेदन दिया था। 12 लाख के करीब कैंडिडेट शामिल हुए थे। 21,391 पदों पर भर्ती के लिए चयनित 1 लाख 7 हजार 79 अभ्यर्थियों के दूसरे चरण की फिजिकल टेस्ट और दस्तावेज जांच के लिए 9 दिसंबर 2024 से 10 मार्च 2025 तक का समय दिया गया है। यह परीक्षा पटना के गर्दनीबाग थाना क्षेत्र के शहीद राजेंद्र प्रसाद सिंह राजकीय उच्च विद्यालय (पटना हाई स्कूल) गर्दनीबाग में चल रहा है।

बिचौलिया को ढूंढ रही है पुलिस

मोहन के मामले में स्कॉलर रौशन था। रौशन टेहटा के कुर्था गांव का रहने वाला है। मोहन, लिखित परीक्षा के दौरान सेंटर पर मौजूद कर्मी से अपना फोटो और बायोमेट्रिक की प्रकिया पूरी कराने के बाद वह बाहर निकल गया था। इसके बाद रौशन कुमार अंदर जाकर बैठ गया था। पुलिस फिलहाल बिचौलिया लव को ढूंढ रही है। वहीं रिटेन और फिजिकल के लिए बिचौलियों का डिमांड 4 से 5 लाख था।

1.10 लाख रुपए में रिटेन के लिए गुड्डू की हुई थी डील

सारण के रहने वाले गुड्डू राय ने बताया कि वह पटना में रह कर सिपाही बहाली की तैयारी करता था। पहली परीक्षा जो रद्द हुई थी, उसी दौरान हाजीपुर के रहने वाले आकाश से जान-पहचान हुई थी। आकाश ने कहा था, अच्छा मौका है नौकरी मिल जाएगी। रिटेन और फिजिकल दोनों परीक्षा निकालने का 5 से 6 लाख रुपए लग रहा है, लेकिन मेरे जरिए जाने पर 4 से 5 लाख में हो जाएगा। सिर्फ रिटेन परीक्षा पास करना है तो 1.50 लाख रुपए देना होगा। मैं फिजिकल खुद निकालने में सक्षम था, इसलिए सिर्फ रिटेन की डील हुई। मैंने परीक्षा के पहले 50 हजार रुपए दिया था। फिर रिजल्ट के बाद 60 हजार दिया । गुड्डू ने रिटेन परीक्षा पास करने के लिए 1.10 लाख रुपए दिया था। गुड्डू ने बताया कि गांधी मैदान मे दौड़ने वाले लगभग 20 से 22 अभ्यर्थियों ने रिटेन से लेकर फिजिकल परीक्षा के लिए सेटिंग किया था।

गोलू से 1 लाख में हुई थी डील

पकड़े गए अभ्यर्थी गोलू ने बताया कि स्कॉलर से अपना रिटेन एग्जाम दिलवाया था। स्कॉलर जहानाबाद का रहने वाला मुकेश है। अभ्यर्थी गोलू को मुकेश के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। गोलू ने बताया कि पहले परीक्षा देने के चक्कर में मुकेश से जान-पहचान हुई था। एक लाख में परीक्षा पास कराने की बात हुई थी। परीक्षा देने के पहले 30 हजार दिया गया था। 70 हजार रिटेन के रिजल्ट के बाद दिया गया था। गोलू गर्दनीबाग सेंटर पर गुरुवार को फिजिकल परीक्षा देने पहुंचा था।

संक्षिप्त समाचार

लोजपा (आर) विधि प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष बने अधिवक्ता प्रणव

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के निर्देश पर बिहार प्रदेश अध्यक्ष विधि प्रकोष्ट अमित कुमार सिन्हा ने अधिवक्ता प्रणव कुमार झा को पार्टी के जिला अध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया है। इनके बेहतर काम को देखते राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने इन्हें विधि प्रकोष्ट का जिला अध्यक्ष बनाया है। उन्होंने कहा कि पार्टी को जिला में और भी ज्यादा मजबूत बनाने का कार्य किया जाएगा। बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को जोड़कर पार्टी का विस्तार किया जाएगा। आगामी विधानसभा चुनाव में इससे पार्टी को काफी मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि वे विशेष तौर पर नीचे तबके के लोगों को न्याय दिलाने का काम किया जाएगा।

ट्रक की चपेट में आने से महिला की मौत : अररिया के जोकीहाट थाना क्षेत्र की घटना, जांच जारी

अररिया, एजेंसी। अररिया बहादुरगंज मार्ग में जोकीहाट हाई स्कूल चौक के पास ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार एक महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची जोकीहाट थाना पुलिस ने मृत महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल अररिया भेज दिया। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। मृत महिला की पहचाना पलासी थाना क्षेत्र के पचेली वार्ड संख्या 5 निवासी 45 साल की बीवी रिजवाना के रूप में की गई। घटना को लेकर जानकारी देते हुए मृत महिला के भाई मोहम्मद कासिम ने बताया कि उनकी बहन शनिवार को जोकीहाट जमीन रजिस्ट्री कराने आई थी। इसके बाद लौटने के दौरान दुर्घटना हो गई। वहीं मामले को लेकर जोकीहाट थाना अध्यक्ष से बात करने की कोशिश की गई तो उनसे संपर्क नहीं हो पाया।

जलहरा गांव में दो पक्षों के बीच मारपीट, एक घायल

● बक्सर में 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज, पुलिस जांच में जुटी

बक्सर, एजेंसी। बक्सर के राजपुर थाना क्षेत्र के अकबरपुर पंचायत के जलहरा गांव में सुबह-सुबह दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। इसमें नवरत्न कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना उस समय हुई जब नवरत्न कुमार, पिता विपिन सिंह, सुबह अपने खेत की ओर जा रहे थे। इस दौरान गांव के दूसरे पक्ष के लोगों ने उनसे गाली-गलौज शुरू कर दी। नवरत्न द्वारा इसका विरोध करने पर विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच मारपीट हो गई।मारपीट में नवरत्न कुमार को गंभीर चोटें आई। उन्हें तुरंत प्राथमिक उपचार के लिए परिजनों ने स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। घटना के बाद पीड़ित नवरत्न ने पुलिस को आवेदन देकर मुन्ना यादव, मंटू यादव, दीपक यादव, उपेंद्र यादव, पप्पू यादव समेत लगभग एक दर्जन लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कराया है। बताया गया की मुन्ना यादव और नवरत्न कुमार के बीच पुराना जमीनी विवाद है। राजपुर थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि घटना के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले की गहराई से जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल गांव में तनाव पूर्ण स्थिति बनी हुई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

प्रारंभिक स्कूलों में कंप्यूटर शिक्षा अनिवार्य : सीवान में सत्र 2025-26 से बदलाव होगा लागू

सीवान, एजेंसी। सीवान के सभी मध्य विद्यालयों में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक सत्र 2025-26 से कंप्यूटर विषय की पढ़ाई कराई जाएगी। कंप्यूटर विषय को अब शैक्षणिक विषय के रूप में अनिवार्य कर दिया गया है।

कान में ईयरफोन लगाकर रेलवे पुल पार कर रहे दो युवक ट्रेन की चपेट में आने से मौत

कटिहार, एजेंसी। बिहार के कटिहार में ट्रेन की चपेट में दो युवक की मौत हो गयी. दोनों की गणेश(26) और कालीचरण(35) के रूप में हुई है, जो सोनौली कंटिया टोला के रहने वाले थे. घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है. कटिहार में ट्रेन से कटकर मौतः घटना जिले के कदवा थाना क्षेत्र की है. परिजनों के मुताबिक गणेश और कालीचरण गोरफर काम शेफ्टी टैंक का निर्माण करने के लिए गए थे. काम खत्म करने के बाद दोनों रेलवे लाइन पर चलकर वापस लौट रहे थे. इसी दौरान बारसोई की ओर से आ रही पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आ गए. कान में लगा था ईयरफोनः गणेश का भाई अनिय राय ने बताया कि दोनों कान में ईयरफोन लगाकर गाना सुनते हुए आ रहे थे. ट्रेन ने पीछे से हॉर्न भी दी लेकिन ईयरफोन के कारण आवाज सुनाई नहीं दी. दोनों ट्रेन की चपेट में आ गए. एक ट्रेन के नीचे आ गया और दूसरा ट्रैक के किनारे फेका गया. घटनास्थल पर ही दोनों की मौत हो गयी. मृतक का भाई अनिल राय ने

बताया कि गणेश और काली चरण दोनों साथ में काम करने जाते थे. दोनों शेफ्टी टैंक बनाने का काम करते थे. रेलवे लाइन पर होकर वापस लौट रहा था. इसी दौरान हादसा हो गया. दोनों कान में ईयरफोन लगाए हुए था. ट्रेन की आवाज सुनाई नहीं दी और हादसा हो गया. पुल पार करने के दौरान हादसः कालीचरण के ससुर कालू राय ने बताया कि काम से लौटने के दौरान हादसा हो गया. बताया कि दोनों सोती पुल पार कर रहे थे. आधा पुल पार कर लिए थे, इसी दौरान ट्रेन आ गयी और दोनों चपेट में आ गए. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस पहुंची और दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर परिजनों को इसकी सूचना दी.

पटना में ठंड से 2 की मौत: पूरे बिहार में कोहरे का अलर्ट, पटना एयरपोर्ट पर 100 मीटर विजिबिलिटी

पटना, एजेंसी। देश के पहाड़ी इलाकों में हो रही बर्फबारी का असर बिहार में भी दिख रहा है। पिछले 4 दिनों से प्रदेश में ठंड बढ़ गई है। ठंड की वजह से पटना में 2 लोगों की मौत हो गई। इनमें एक की पहचान नौबतपुर के पुरुषोत्तमपुर मोहल्ले में बतरनी देवी (63) के रूप में हुई है। जबकि एक की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। मौसम विभाग के मुताबिक, अरवल, औरंगाबाद, बेगुसराय, भोजपुर, बक्सर, गया, जहानाबाद, कैमूर (भभुआ), नालंदा, नवादा, पटना, रोहतास, शेखपुरा में कई जगहों पर घना कोहरा छाने की संभावना है।

कोहरे की वजह से पटना एयरपोर्ट पर 100 मीटर से कम विजिबिलिटी होने की वजह से विमानों के ऑपरेशन पर असर पड़ा रहा है। शनिवार को दिल्ली की तीन, मुंबई और बेंगलुरु की एक-एक जोड़ी फ्लाइट्स को कैंसिल हो गई। वहीं, राजधानी समेत 14 ट्रेनें लेट चल रही हैं।

कोहरे की वजह से 14 ट्रेनें लेट और 5 फ्लाइट्स कैंसिल : मौसम विभाग ने 7 जिलों में कोहरे को लेकर ऑरेंज और 31 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, पिछले 24 घंटे में बांका सबसे ठंडा जिला रहा। यहां का न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। जबकि वहीं, नौबतपुर के पुरुषोत्तमपुर मोहल्ले में बतरनी देवी (63) की मौत ठंड लगने से हो गई। शनिवार को पटना का अधिकतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10.7 डिग्री सेल्सियस रहा।

एक दर्जन छात्राओं की तबीयत बिगड़ी : शेखपुरा में शनिवार को बरबीघा प्रखंड के प्लस टू उच्च विद्यालय कुटौत में ठंड लगने से एक दर्जन छात्राएं बेहोश हो गई थी। वहीं, एक शिक्षिका भी बेहोश हो गई। घटना के बाद स्कूल में अफरा तफरी मच गई। बेहोश हुई छात्राओं और शिक्षिका को रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसमें 8 छात्राओं को इलाज के बाद घर भेज दिया गया। 4 छात्राओं का इलाज अब भी चल रहा है।

12 छात्राएं सड़क पर गिरकर बेहोश हुईं

वहीं सारण के मांझी प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, कलान में दौड़ रहीं एक दर्जन छात्राएं सड़क पर गिरकर बेहोश हो गईं। प्रतियोगिता के वक्त शीतलहर चल रही थी। 8वीं की छात्रा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

लालू के ऑफर को नीतीश ने ठुकराया ! कहा- अब नहीं, दो बार गलती से चला गया

पटना, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए दरवाजे खोलकर आरजेडी अध्यक्ष लालू यादव ने कड़ाके की ठंड में भी सियासी गरमाहट ला दी है. उनके बयान के बाद चर्चा शुरू हो गई कि क्या खरमास के बाद बिहार में खेला होगा? हालांकि अब खुद सीएम ने लालू के ऑफर पर प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि गलती से दो बार उधर चले गए थे, आगे ऐसा नहीं होगा.

नीतीश ने लालू के ऑफर को ठुकराया?

प्रगति यात्रा के दौरान गोपालगंज में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक तरह से आरजेडी अध्यक्ष लालू यादव के साथ आने के ऑफर को खारिज ही कर दिया. उन्होंने अपने अंदाज में कहा कि मैं दो बार गलती से इधर से उधर चला गया था लेकिन वापस उधर नहीं जाऊंगा. उन्होंने कहा कि अब जेडीयू और बीजेपी हमेशा साथ में रहेंगे और बिहार के साथ-साथ देश के विकास के लिए भी मिलकर काम करेंगे. मुख्यमंत्री ने कहा कि हम दो बार गलती से इधर से उधर चले गए थे लेकिन अब नहीं होगा ऐसा. अब हमलोग हमेशा साथ रहेंगे और बिहार के साथ देश का भी विकास करेंगे.

लालू ने दिया था नीतीश को ऑफ

पिछले दिनों एक निजी चैनल से बात करते हुए लालू यादव ने कहा था कि नीतीश कुमार के लिए उनका दरवाजा हमेशा से खुला है. उन्होंने कहा कि सीएम को भी अपना दरवाजा खोलकर हमारे साथ आ जाना चाहिए. लालू ने कहा कि हमलोग मिल बैठकर फैसला लेते हैं. उन्होंने ये भी कहा कि अगर नीतीश साथ आते हैं तो वह उनको माफ कर देंगे.

नीतीश पर तेजस्वी का रुख लालू से अलग

हालांकि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का रुख पिता लालू यादव से अलग है. उन्होंने तल्ख लहजे में कहा कि 20 साल से अगर एक ही बीज को बोया जाए तो फसल बर्बाद हो जाती है. इसके साथ ही तेजस्वी ने दावा किया कि 2025 विधानसभा चुनाव में चाचा (नीतीश) की विदाई हो जाएगी.

पूर्णिया में गैस पाइपलाइन में लगी आग, टला बड़ा हादसा

पूर्णिया, एजेंसी। बिहार के पूर्णिया में भीषण अगलगी की घटना सामने आई है. जहां मरंगा थाना क्षेत्र के उफरेल चौक के पास अचानक गैस पाइपलाइन में आग लग जाने से हड़कंप मच गया. स्थानी लोगों की माने तो नगर निगम के द्वारा फेंका गया कचरा इसके पीछे का कारण है. अग्निशमन की टीम अगर समय पर नहीं पहुंचती तो बड़ा हादसा हो सकता था. पूर्णिया में लगी आगः बता दें कि गैस पाइपलाइन घरेलू उपयोग वाली है. पूर्णिया में अंडरग्राउंड गैस पाइपलाइन लगभग लोगों के घर तक पहुंच चुकी है. कुछ इलाकों में इसे चालू भी कर दिया गया है. वहीं अचानक पाइपलाइन में आग लगता देख, लोगों ने इस बात की जानकारी अग्निशमन टीम को दी. मौके पर पहुंची अग्निशमन की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. घटनास्थल पर इस बात का डर बना हुआ था कि कहीं ब्लास्ट होने पर बड़ा हादसा न हो जाए. स्थानीय ने बताया कि नगर निगम के द्वारा यहां कचरा फेंका गया था. जो इस आग की वजह बनी. मौके पर पहुंचे अग्निशमनकर्मी भी बताते हैं कि आग लगने का कारण कचरा है. इस बात की जानकारी जैसे ही गैस एजेंसी वाले को मिली हुए भी घटनास्थल पर पहुंच गए और सूझबूझ से इस आग पर काबू पाया गया.

बोलीं- नागरिकता नहीं मिलती तो भी नहीं लौटती बेटी ने कहा-सीएए ने बिछड़ने से बचाया

शादी के 40 साल बाद भारतीय बनीं बांग्लादेशी सुमित्रा

आरा, एजेंसी। आरा की सुमित्रा प्रसाद उर्फ रानी साहा को 40 साल के बाद नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के तहत भारतीय नागरिकता मिली है। वह शहर के चित्र टोली रोड में वीजा लेकर रह रही थीं, लेकिन अब उनको भारतीय नागरिकता मिल चुकी है। बिहार में सीएए के तहत मिली नागरिकता का ये पहला मामला है। महिला की सबसे छोटी बेटी ऐश्वर्या प्रसाद ने नवंबर 2024 में सीएए के तहत आवेदन दिया था। दो महीने के अंदर ही बेटी की कोशिश के बाद मां को भारत की नागरिकता मिल गई। जिसको लेकर परिवार में खुशी का माहौल है।

1985 में भारत आई थीं : महिला सुमित्रा प्रसाद उर्फ रानी साहा ने बताया कि जब वह पांच साल की थी तब 1970 में अपनी बुआ के घर बांग्लादेश गई। साल 1971 में बांग्लादेश-पाकिस्तान का विभाजन हो गया। मैंने वहां 10वीं तक पढ़ाई की। उस दौरान बांग्लादेश के राजशाही नामक जगह पर रहती थी, वहां की स्थिति बहुत खराब थी। हिंदुओं को वहां पर कोई देखना पसंद नहीं करता था। हिंदुओं को हमेशा खराब नजरों से देखा जाता था। मैं वहां से 1985 में

भारत आ गई, जिसके बाद कभी बांग्लादेश लौट कर नहीं गई, लेकिन उनको भारत में ही वीजा लेकर रहना होता था। सुमित्रा ने बताया कि उनके पिता के पास इतना पैसा नहीं था कि वो अपने परिवार का भरण पोषण कर सके। पिता मदन गोपाल चौधरी को दो बेटी सुमित्रा प्रसाद, कृष्णा रानी साहा और दो बेटे विजय प्रसाद, नरेश प्रसाद थे। छह लोगों का खर्च मदन गोपाल नहीं उठा पा रहे थे। इसी बीच मदन गोपाल चौधरी की तबीयत भी खराब हो गई, जिस वजह से सुमित्रा अपनी बुआ के घर 1970 में चली गई।

भारत लौटी तो पिता के पास कटिहार आ गई : सुमित्रा रानी साहा ने बताया कि जब वह भारत लौटी तो उनकी उम्र 20 साल थी। भारत लौटने के बाद वो कटिहार में अपने पिता के पास गई। फिर 10 मार्च 1985 को आरा शहर के चित्र टोली रोड में उनकी शादी परमेश्वर प्रसाद से हुई। उसके बाद से ही सुमित्रा आरा में अपने परिवार के साथ रहने लगी। आरा में ही पति होम अप्लायंस की दुकान चलाते थे। सुमित्रा को तीन बेटियां प्रियंका प्रसाद, प्रियदर्शनी और ऐश्वर्या हैं। साल 2010 में बैक बोन कैंसर की वजह से पति परमेश्वर प्रसाद की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मैं वीजा लेकर यहां रह रही थी। हर साल वीजा के लिए परेशान होना पड़ता था।

पुलिस वाले कहते थे- लौट जाओ बांग्लादेश : सुमित्रा ने बताया कि मोहल्ले में कई लोग उन्हें बार बार बांग्लादेश जाने के लिए बोलते थे। 2023 में वीजा में देरी होने के कारण टाउन थाना में बुलाकर उन्हें बांग्लादेश वापस लौटने के लिए बोला गया। आसपास के लोग काफी डराते-धमका रहे थे। कहते थे कि बांग्लादेश भेज देंगे। जेल भेज देंगे, लेकिन अंत में कोलकाता से वीजा मिला। पिछले तीन बार से कोलकाता से ही वीजा ले रही थी। सुमित्रा ने बताया कि साल 2024 में वीजा के लिए कोलकाता में आवेदन दिया था तो मेरे परिवार वालों को नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के बारे में जानकारी मिली। फिर बेटी ऐश्वर्या प्रसाद ने सीएए के लिए आवेदन देने की तैयारी शुरू कर दी। इस बीच वीजा का एक्सटेंशन भी तीन साल का मिल गया।

3 महीने के अंदर मिल गई नागरिकता : अक्टूबर 2024 से ही ऐश्वर्या सीएए के लिए लग गई। दो बेटियों की शादी कर दी थी, लेकिन एक बेटी ऐश्वर्या प्रसाद मेरे साथ रहती थी। वह मेरा ख्याल रखती है। उसने ही सीएए के बारे में सभी जानकारी ली। 3 महीने बाद जनवरी में आखिरकार भारत की नागरिकता का प्रमाण पत्र मिल गया।

40 सालों तक सरकारी सुविधा नहीं मिली : भारतीय नागरिकता मिलने के बाद सुमित्रा का परिवार काफी खुश है। उनकी बेटी ऐश्वर्या का कहना है कि उनकी मां को अभी तक सभी सरकारी सुविधा से वंचित रहना पड़ रहा था। आधार कार्ड, राशन कार्ड, पैन कार्ड अभी तक नहीं बन पाया था। गैस कनेक्शन भी नहीं मिलता था। लेकिन, अब सभी सुविधाएं मिलेंगी। ऐश्वर्या ने कहा कि अब सभी डॉक्यूमेंट बनाया जाएगा। इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी हूं। कोरोना काल में तीन साल तक वीजा एक्सटेंशन नहीं हुआ था, तो उस दौरान काफी परेशान थी। लेकिन, अब यह सभी परेशानियों से मुक्ति मिल गयी है।

पिता की मौत के बाद मां-बेटी ने संभाला परिवार : ऐश्वर्या ने बताया पिता की मौत के बाद उनकी मां दुकान चलाती थी। आरा के चित्र टोली रोड में प्रसाद इंटरप्राइजेज की दुकान है, जिसे अब ऐश्वर्या और उनकी मां देखती है। दुकान की कमाई से ही सुमित्रा ने अपनी दो बेटियों की शादी की। बेटी ने बताया कि पहली बार में हमारा आवेदन को रिजेक्ट कर दिया गया था, लेकिन मैंने हार नहीं माना और अपनी मां को नागरिकता दिलवाने में कामयाब हो गई।

सची हॉस्पिटल

NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)

पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल

9102779809, 9801344665

डॉ. एस. प्रसाद

नगर विकास के लिए की गई बैठक में नागरिक समस्याओं पर लिया गया अहम निर्णय

बीएनएम। मोतिहारी

जेपी सेनानी अमर की अध्यक्षता में रविवार को जिले के मेहसी स्थित गौशाला परिसर में नगरवासियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक का संचालन रमेश कुमार सिंह ने किया। इस दौरान मेहसी के नवनिर्माता और आधार पुरुष स्वर्गीय राय साहब गुलाम लाल जी की स्मृति में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा आगामी रविवार को तय की जाएगी। बैठक में नगर पंचायत की प्रमुख समस्याओं जैसे स्वच्छ जल आपूर्ति, कचरा निस्तारण, स्ट्रीट लाइट की मरम्मत और सड़कों के पुनर्निर्माण पर गंभीरता से विचार किया गया।

कचरा निस्तारण और प्रोसेसिंग यूनिट की मांग- नगर में कचरे के असंगठित डंपिंग और उसे जलाने से उत्पन्न धुएं के कारण स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ रही हैं। इससे नगर का हर इलाका गैस चैंबर में तब्दील हो रहा है। बैठक में यह मांग की गई कि कचरा डंपिंग और प्रोसेसिंग प्लांट शीघ्र स्थापित किए जाएं। वहीं शहर में बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों के रखरखाव और मरम्मत के लिए नगर प्रशासक को अवगत कराने का निर्णय लिया गया। यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया कि सभी स्ट्रीट लाइटें सुचारू रूप से कार्य करें। सीतामढ़ी-शिवहर और रेलवे स्टेशन-बस स्टैंड को जोड़ने वाली महत्त्वपूर्ण सड़क के पुनर्निर्माण के लिए संबंधित विभाग के प्रधान सचिव और मुख्य अभियंता को आवेदन भेजने का फैसला लिया गया। बैठक में कई सामाजिक कार्यकर्ताओं और नगरवासियों ने भाग लिया। अपने विचार व्यक्त करने वालों में तारकेश्वर द्विवेदी, सुधिष्ठ नारायण ठाकुर, आनंद प्रकाश सिंह, मसीहुर रहमान, हसन इमाम, मनोज कुमार, राकेश कुमार, महेंद्र प्रसाद सिंह, राजीव गुप्ता, रंधीर कुमार, एवीएन और रमेश कुमार सिंह, वीरेश्वर प्रसाद गुप्ता के साथ अन्य शामिल थे। इस बैठक में नगर की समस्याओं के समाधान के लिए एक प्रतिनिधिमंडल तैयार किया गया, जो प्रशासन के साथ मिलकर काम करेगा। बैठक में लिए गए निर्णयों के क्रियान्वयन से नगरवासियों को जल्द ही राहत मिलने की उम्मीद है।

तीन दिन से बंधक नाबालिक को पुलिस ने कराया मुक्त

बीएनएम। मोतिहारी

जिले हरसिद्धि छपवा मार्ग में बंद पड़े पेट्रौल पम्प के बगल के दो मंजिला मकान में बंधक पड़ी लड़की को पुलिस ने मुक्त कराया है। ग्रामीणों के सूचना पर स्थानीय पुलिस ने रविवार को बंद पड़े तृप्ति एग्रो प्यूल्स पेट्रौल पंप के पीछे दो मंजिला एस्बेस्टस के घर के एक कमरे से यादोपुर पंचायत स्थित दुदही गांव के एक नाबालिग लड़की को बरामद किया है। घटना के बारे में बताया गया है कि गांव के ही कुछ बच्चे बकरी चराने व पशुओ के लिए घास(चारा) के लिए गये थे। तभी एक लड़की की रोने व चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। बकरी चराने व चारा काटने वाले बच्चे ईधर-उधर देखे तो कोई दिखाई नही दे रहा था। तभी लड़की की आवाज आयी कि मै ऊपर वाले रूम में बंद हूं। तभी कुछ लोग ऊपर वाले रूम पर गये तो देखे की बाहर से दरवाजा बंद किया गया हैं, उसमें ताला भी लगा हुआ हैं। स्थानिय ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने त्वरित कारवाई करते हुये रूम को खुलवाया। बंधक पड़ी नाबालिग लड़की नेहा कुमारी (काल्पनिक नाम) ने बतायी कि मै गांव के ही एक लड़के से प्रेम करती थी। कुछ दिनों के लिये हम दोनो भागकर बाहर भी गये थे। मेरे पिता व मेरे बहनोई मुझे समझा बुझा कर यहाँ लाये। फिर ये दोनों ने मुझे मौसी के घर मठलोहियार रखा। फिर विगत तीन दिनों से मुझे यहाँ लाकर घर मे बंद कर दिया गया। आज तीन दिन पर खाना दिया गया हैं। इस संबंध में थानाध्यक्ष शवेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि लड़की को मुक्त करा कर थाना लाया गया पूछ ताछ की जा रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

जमीन के विवाद में चली गोली, एक गिरफ्तार, पिस्टल व गोली बरामद

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के दरपा थाना क्षेत्र के तिनकोनी गांव में भाई-भाई के बीच जमीन बंटवारे को लेकर हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। बड़े भाई पंकज सिंह ने छोटे भाई सुशील सिंह को गोली मार घायल कर दिया। घटना के बाद घटना स्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। वहीं एसडीपीओ के नेतृत्व में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पंकज सिंह को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने पंकज सिंह के पास से एक अवैध पिस्तौल, 6 जिंदा कारतूस और 5 एसएलआर की गोलियां बरामद की। पुलिस ने मामले की गहन जांच कर रही है। बताया गया है कि पंकज सिंह और सुशील सिंह के बीच जमीनी एवं पारिवारिक संपत्ति के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। रविवार की शाम दोनों भाइयों के बीच इस मसले पर कहा सुनी हुई, जो जल्द ही हिंसक झगड़े में बदल गई। जिसके बाद पंकज सिंह ने अवैध पिस्तौल से सुशील सिंह पर गोली चला दी। छोटे भाई सुशील सिंह के बाएं कनपट्टी में गोली लगी जिससे घायल हो गए। इलाज के लिए मोतिहारी के एक निजी अस्पताल भेजा गया। जहां डॉक्टरों के अनुसार, उनका इलाज चल रहा है और फिलहाल उनकी स्थिति खतरे से बाहर है।

बूथ स्तर पर संगठन मजबूत होगी तभी पार्टी मजबूत होगा : लोहा

बीएनएम। रामगढ़वा : किसी भी पार्टी या संगठन के कार्यकर्ता ही रीढ़ होते है। इनके बिना न तो संगठन मजबूत हो सकता है और ना ही पार्टी।उक्त बातें लोजपा आर के प्रदेश महासचिव पंकज कुमार पांडेय उर्फ लोहा पांडेय ने रविवार को पार्टी कार्यालय में रक्सौल जिला लोजपा कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए कहीं ।उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभी से लगकर पार्टी को मजबूत करने के लिए बूथ स्तर पर पर संगठन बनाने पर जोर दिया। बैठक में कार्यकर्ताओं की

जोरदार उपस्थिति को देख गदगद श्री पांडेय ने कहा कि कार्यकर्ता की उपस्थिति की संख्या यह दर्शाता है कि लोगों में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के प्रति आस्था एवं विश्वास है। उन्होंने पार्टी संगठन को धारदार एवं मजबूत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने वाले नेताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अगर इसी तरह आगे भी आप सबों का प्यार, स्नेह, सहयोग और आशीर्वाद मिलता रहा तो आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी लोकसभा चुनाव की तरह सौ फीसदी स्ट्राइक रेट के साथ विजय हासिल करेगी।बैठक की अध्यक्षता जिला लोजपा अध्यक्ष राजदेव पासवान ने की ।कार्यक्रम के दौरान युवा राजद नेता गुड्डू ठाकुर,गुड्डू सिंह,मुक्ति सिंह ,यशवंत सिंह,मुकेश सिंह डीलर,अखिलेश गुप्ता समेत करीब तीन दर्जन से अधिक लोगों ने दूसरे दलों की सदस्यता से त्याग पत्र देकर लोजपा आर की सदस्यता ग्रहण की।कार्यकर्ता बैठक को सम्बोधित करने वालो में युवा लोजपा आर के जिला अध्यक्ष मंजीत पासवान, भोला पासवान, युवा लोजपा अध्यक्ष अर्जुन गिरी,रक्सौल लोजपा अध्यक्ष शेख बेचू,पप्पू कुँवर,नागेश्वर निराला,अपुन तिवारी,सहित सहित सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

घीउवाढार में 50 वर्षीय एक विधवा की हत्या

बीएनएम। मोतिहारीः अवनीश सिंह

जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र के घीउवाढार पंचायत के घीउवाढार गांव वार्ड नंबर 2 में एक 50 वर्षीय विधवा की हत्या कर शव को घर के अंदर बंद कर परिजन फरार हो गए हैं। मृतका मंजू देवी 50 वर्ष घीउवाढार गांव वार्ड नंबर दो निवासी स्वर्गीय परशुराम शर्मा की पत्नी थी। बताया गया है कि परशुराम शर्मा की पहली पत्नी मर चुकी थी, उससे चार पुत्री थी चारों की शादी हो चुकी है। पहली पत्नी के मरने के बाद उन्होंने दूसरी शादी की थी। दूसरी पत्नी मंजू देवी थी। मंजू देवी से भी तीन पुत्री और एक पुत्र है। दूसरी पत्नी मंजू देवी की भी दो पुत्री की शादी हो चुकी है। एक पुत्र विक्की कुमार 18 वर्ष का है जो लुधियाना में काम करता है। वही अविवाहित पुत्री सोनी कुमारी 20 वर्ष हरसिद्धि में हीरो एजेंसी में काम करती है। घर पर मां बेटी ही रहती थी। शनिवार की रात में मां की हत्या हो चुकी है। पुत्री भी घर से फरार है और बाहर से घर में ताला बंद किया गया था ।पुत्र ने घर पर फोन किया तो फोन स्विच ऑफ था। किसी संबंधी को फोन कर पता लगाया तो घर में बाहर से ताला बंद था। घर के अंदर झांक कर देखा गया तो शव पड़ा हुआ था। पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी रंजन कुमार सिंह के नेतृत्व में अरेराज इंस्पेक्टर, पहाड़पुर पुलिस, हरसिद्धि पुलिस घटना स्थल पर पहुंच मामले के तहकीकात की। वही थानाध्यक्ष ने बताया कि प्रथम दृष्टया हत्या का कारण मृतका की पुत्री का प्रेम प्रसंग प्रतीत हो रहा है। शव को पुलिस कब्जे में लेकर जांचोपरांत पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया गया है। उन्होंने बताया अनुसंधान जारी है।अभी तक आवेदन प्राप्त नहीं है। आवेदन प्राप्त होते हैं प्राथमिकी दर्ज कर ली जाएगी। हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

नर्सरी से कक्षा आठ तक की सभी सरकारी व निजी विद्यालय 11 जनवरी तक रहेगा बंद

कड़ाके की ठंड को देखते हुए जिलाधिकारी ने दिया आदेश

बीएनएम। मोतिहारी

अत्यधिक कड़ाके की ठंड का मौसम और कम तापमान की स्थिति बनी हुई है, जिसके कारण बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना को देखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा- 163 के तहत जिला पदाधिकारी सौरभ जोरवाल ने जिला के नर्सरी से लेकर वर्ग आठ तक के सभी निजी व सरकारी विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों को 6 जनवरी, सोमवार से लेकर 11 जनवरी, शनिवार तक बंद करने का आदेश जारी किया है। वहीं डीएम सौरभ जोरवाल ने बताया है कि वर्ग 8 से ऊपर की कक्षाओं की शैक्षणिक गतिविधियां पूर्वाहन 10:00 बजे से अपराह्न 03:30 बजे के बीच संचालित की जा सकती है। बोर्ड परीक्षा से संबंधित शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन इससे मुक्त रहेगा।

जिला यक्ष्मा अस्पताल में कार्यरत एक्स-रे टेक्निशियन ललित कुमार हुए सेवानिवृत, कर्मियों ने दी भाव भीनी विदाई

बीएनएम। मोतिहारी

जिला यक्ष्मा अस्पताल में एक्स-रे टेक्निशियन के पद पर कार्यरत ललित कुमार के सेवानिवृत्त होने पर जिले के अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. श्रवण कुमार पासवान, जिला संचारी रोग पदाधिकारी डॉ. संजीव एवं नोडल चिकित्सक डॉ. सुनील कुमार के सहित अन्य कर्मचारियों ने उनको भावभीनी विदाई दी। उक्त मौके पर एसीएमओ डॉ. श्रवण कुमार पासवान ने कहा की सेवा कार्य में एक न एक दिन सभी की विदाई निश्चित है। ललित सेवा भाव से कार्य करते थें। वहीं जिला संचारी रोग पदाधिकारी ने बताया की टेक्निशियन ललित कुमार ने टीबी मुक्त अभियान अन्तर्गत अपने दायित्व का निर्वहन करने के साथ ही निक्ष्य मित्र बनाने के कार्यक्रम में काफ़ी सहयोग दिए है जिसके बदौलत हमारा जिला बिहार में दूसरे स्थान पर आया, इससे काफ़ी टीबी मरीजों को पोषण पोटली का लाभ मिला। उन्होंने अपने कार्य के प्रति लगाव, कर्त्यव्य निष्ठा एवं ईमानदारी की मिसाल पेश की है। इस अवसर पर नोडल चिकित्सक डॉ. सुनील ने कहा की विदाई तो सभी की होती है, लेकिन बेहतर कार्य करने वालों को लोग हमेशा याद करते है। मौके पर जिला यक्ष्मा केंद्र के अनिल कुमार, अमरेंद्र कुमार, अरविन्द कुमार, प्रमोद कुमार, कौशल कुमार, चिकित्सक, नर्स व अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

टायर्ड मुख्यमंत्री और रिटायर्ड अफसरों के भरोसे चल रही बिहार: तेजस्वी

बोले- हमारी सरकार बनी तो वृद्धावस्था पेंशन 1500 रुपये प्रतिमाह करेंग, 200 युनिट बिजली फ्री देंगे, माई बहिन योजना के तहत देंगे 2500 रुपये

बीएनएम। मोतिहारीः राकेश कुमार

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम के तहत रविवार को मोतिहारी पहुंचे, जहां स्थानीय सर्किट हाउस में पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए नीतीश सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार बिल्कुल होश में नही है और रिटायर आफिसर उनकी सरकार चला रहे हैं। अब उनसे बिहार संभलने वाला नही है। नए साल में नई सरकार आयेगी तो यहाँ से गरीबी, बेरोजगारी,पलायन पर अंकुश लगेगी। नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि हमारी सरकार आयेगी तो माई- बहन योजना लागू करेंगे और उन्हें प्रतिमाह 2500 रुपये उनके खाते में सीधे भेजने का काम करेंगे। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि वृद्धावस्था पेंशन इत्यादि 1500 रुपये प्रतिमाह करेंगे। 200 युनिट बिजली फ्री देंगे। इस दौरान उन्होंने केन्द्र के मोदी सरकार पर भी जमकर निशाना साधा और कहा कि केन्द्र व राज्य में डबल इंजन की सरकार है और यहां की जनता लगातार भाजपा की सांसद व विधायक चुनकर भेजती है इसके बावजूद भी बिहार के साथ सौतेला व्यवहार क्यों? नरेन्द्र मोदी जब मोतिहारी आये थे तो बोले थे कि मैं मोतिहारी का चीनी मिल चालू करवाएंगे और इस मिल से बनी चीनी का चाय पीकर जायेंगे। लेकिन चीनी मिल का कुछ नही हुआ। ये जुमले की सरकार है। केवल जुमलेबाजी कर लोगों को ठगने का काम करते हैं। वहीं प्रशांत किशोर के संबंध में मिडिया के पूछे जाने पर बताया कि वे तो भाजपा के बी टीम है। मौके पर राज्यसभा सांसद संजय यादव, कल्याण पुर विधायक सह जिलाध्यक्ष मनोज कुमार यादव, पूर्व मंत्री डॉ शमीम अहमद, पूर्व विधायक राजेन्द्र कुमार राम, फैसल रहमान, मेयर प्रीति कुमारी, पूर्व विधायक लक्ष्मी नारायण यादव, महागठबंधन के पूर्व प्रत्याशी डॉ राजेश कुशवाहा, नागेन्द्र राम, प्रधान महासचिव सुरेश सहनी, महिला राजद के जिलाध्यक्ष पूनम देवी, प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्व प्रत्याशी रामबाबू यादव, सुरेश यादव, अच्छे लाल यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद श्रीवास्तव, संजय निराला, मुन्नी लाल यादव, अवनीश यादव शिवम साह, नुरुल होदा सुजीत कुमार यादव, प्रदीप यादव, छात्र नेता मंदीप कुमार इत्यादि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

रघुनाथपुर थाना के हाजत में कैदी ने की आत्महत्या

- पूरे मामले का सीसीटीवी कैमरा में फुटेज हुआ है कैद
- एसपी थाना पर पहुंच सीसीटीवी फुटेज खंगाला
- एसपी ने कहा, कैदी ने किया है आत्महत्या

बीएनएम। तुरकौलिया। रघुनाथपुर थाना के हाजत में रविवार की देर शाम एक कैदी अपने मफलर से फंदे से लटक आत्महत्या कर लिया है। मृतक कैदी रघुनाथपुर मोहल्ला का ही रहने वाला मुना साह था। उसके खिलाफ कोर्ट से नन बेलेबल वारंट निर्गत था। उसी मामले में पुलिस उसे गिरफ्तार कर हाजत में रखी थी। उसके खिलाफ उसकी पत्नी भी पिछले वर्ष मारपीट करने का मामला दर्ज कराई है। पत्नी से विवाद के कारण वह कुछ दिनों से डिप्रेशन में चल रहा था। आशंका व्यक्त किया जा रहा है कि डिप्रेशन के कारण उसने आत्महत्या कर लिया है। बताया जाता है कि पुलिस उसे शाम में गिरफ्तार कर थाना के हाजत में रखी थी। जब देर शाम खाना खाने के लिए एक पुलिसकर्मी हाजत में के पास पहुंचा तो उसे फंदा से लटका देख चिल्लाते हुए अन्य पुलिसकर्मियों को सूचना दी। सभी का होश गायब हो गया। एसपी को सूचना दिया गया। सूचना पर एसपी स्वर्ण प्रभात, सदर डीएसपी जीतेश कुमार पांडेय, प्रशिक्षु डीएसपी शिप्रा राजपूत, मधु कुमारी, मुफ़सिल इंस्पेक्टर अरशद राजा, तुरकौलिया थानाध्यक्ष सुनील कुमार सहित नगर, बंजरिया, मुफ्फसिल थानाध्यक्ष मौके पर पहुंचे। थाना में लगाए गए सीसीटीवी कैमरा को एसपी ने देखा। जिसमें कैसे वह अपने मफलर से फंदे से लटक रहा है वह दिख रहा है। जांच के लिए एफएसएल की टीम मौके पर पहुंच जांच कर रही है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि मृतक के परिजन को सूचना दे दी गई है। मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में इनवेस्ट तैयार किया जा रहा है। पुलिस करवाई में जुटी हुई है।

मारपीट व जानलेवा हमला के मामले में फरार अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम। तुरकौलिया। थाना क्षेत्र अंतर्गत सेमरा बेलवतिया गांव में पुलिस ने छापेमारी कर मारपीट व जानलेवा हमला के मामले में फरार अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया अभियुक्त उसी गांव का सुनील महतो है। आपको बता दे कि 19 मई 2023 की शाम में वृद्ध रामशीष महतो को रास्ते के विवाद को लेकर लाठी फरसा से हमला कर जख्मी कर दिया गया था। जहां जख्मी रामशीष का इलाज सदर अस्पताल में किया गया था। जहां उनका इलाज हुआ था। मामले में उन्होंने थाना में आवेदन देकर एफआईआर दर्ज कराया था। जिसमें भुवनेश्वर महतो, सुनील महतो सहित 10 लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया था। उस समय से सुनील फरार था। जबकि दूसरी ओर पुलिस ने जगिराहा से एक शराबी को पकड़ा है। पकड़ा गया शराबी सुरेश यादव है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि शराब के नशे में वह पत्नी के साथ अक्सर मारपीट करता था। उन्होंने बताया कि पकड़े गए दोनो को रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

डियूटी के दौरान मोबाइल चलाना नगर थाना के महिला दारोगा को पड़ा भारी

बीएनएम। मोतिहारी। डियूटी के दौरान नगर थाना के महिला दारोगा को मोबाइल चलाना भारी पड़ गया है। इस बावत एसपी स्वर्ण प्रभात ने कडे रुख अपनाते हुए महिला दारोगा श्वेता कुमारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उन्होंने बताया कि उक्त दारोगा डियूटी के दौरान बैठकर मोबाइल चला रही थी। नगर थानाध्यक्ष के रिपोर्ट पर यह कार्रवाई की गयी है। एसपी ने कहा कि कार्यों में शिथिलता बर्दाश्त नही की जायेगी और यह अभियान लगातार जारी रहेगा। इसके पूर्व भी उक्त दारोगा ने सदर अस्पताल के जीएन एम को थप्पड़ मार दिया था। जिसको लेकर जमकर हंगामा हुआ था। मज्जे की बात तो यह है कि उक्त दारोगा रघुनाथपुर में भी सिविल ड्रेस में एक अभियुक्त को पकड़ने गयी थी, जहां दारोगा श्वेता के साथ ग्रामीणों ने मारपीट किया था। मारपीट के दौरान फायरिंग कर अपनी जान बचायी थी।

पार्टी के नीतियों व सिद्धांतों को जन जन तक पहुंचाए: लोहा पाण्डेय

बीएनएम। रामगढ़वा

लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के नीतियों व सिद्धांतों को जन जन तक पहुंचाना है। उक्त बातें लोजपा आर के प्रदेश महासचिव पंकज कुमार पांडेय उर्फ लोहा पांडेय ने रविवार को 11सुगौली विधानसभा क्षेत्र के रामगढ़वा कैंप कार्यालय में आयोजित लोजपा कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए कहीं। कहा कि लोजपा सुप्रीमो सह केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान के विचारों को आम जन तक पहुंचाकर अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ना है। ताकि आगामी विधानसभा चुनाव में सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में दो तिहाई से अधिक बहुमत के साथ एनडीए गठबंधन की सरकार बनाया जा सके। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी 16 जनवरी को मोतिहारी में आयोजित होनेवाले एनडीए गठबंधन के कार्यकर्ता सम्मेलन में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील भी की। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न दलों से त्यागपत्र देकर लोजपा की सदस्यता करने वाले गुड्डू सिंह मुकेश कुमार, समीउल्लाह, नरेश पासवान, मनीष पासवान, शिवम् कुमार, अमित कुमार, अखिलेश कुमार, चंदेश्वर प्रसाद, कपिलदेव पटेल, नंदू राम, राजाराम बैठा, मिथिलेश राम, अजीत राम समेत पार्टी के नवनियुक्त पदाधिकारियों को माला पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लोजपा आर के जिला अध्यक्ष राजदेव पासवान ने की। मौके पर राजेन्द्र राम, शेख बेचू, भोला पासवान, अजय पांडेय, बाबर अली, अर्जुन कुमार गिरी, वंशीधर मिश्र, अखिलेश गिरी, यशवंत सिंह, छोटन सिंह, मुकेश सिंह दशरथ रौनियार सहित सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

सेवानिवृत सिपाही को थानाध्यक्ष ने दी विदाई

बीएनएम। पकड़ीदयाल

थाना परिसर में इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष शकुंतला कुमारी की अध्यक्षता में विदाई समारोह का आयोजन कर सेवानिवृत्त गृह रक्षक सिपाही वीरेंद्र यादव व लाल बाबू सिंह को भावभीनी विदाई दी गई। विदाई समारोह पकड़ीदयाल थाना परिसर में थानाध्यक्ष के सौजन्य से आयोजित की गई। इस मौके पर इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष शकुंतला कुमारी ने कही कि सरकारी नौकरी में पदस्थापन, स्थानांतरण, सेवानिवृत्ति की प्रक्रिया एक चक्के की तरह घूमते रहती है। इन सभी चक्र से सभी कर्मियों को एक बार गुजरना पड़ता है। इस प्रक्रिया से कोई भी पदाधिकारी व कर्मचारी को आहत होने की जरूरत नहीं है। थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर शकुंतला कुमारी की अगुवाई में सबसे पहले दोनों सेवानिवृत्त सिपाही को फूल माला पहनाकर उपहार देते हुए भावभीनी विदाई दी गई। वक्ताओं ने कहा कि इन दोनों सिपाही ने अपने कार्यकाल में जिस प्रकार परिश्रम व कर्मठता से दायित्व निर्वहन किया है इससे सीख लेनी चाहिए। भगवान से प्रार्थना किया कि अब यह दोनों सिपाही सेवानिवृत्ति के बाद परिवार के सदस्यों के साथ खुशहाल जीवन व्यतीत करें।

नीतीश कुमार विकास पुरुष है पूर्व विधायक शिवजी राय

बीएनएम। पकड़ीदयाल

नीतीश कुमार के सरकार के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के लिए पकड़ीदयाल प्रखंड क्षेत्र के एक कोचिंग मे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वार्ड पार्षद मुन्ना आलम ने की। जदयू के प्रखंड अध्यक्ष जितेंद्र पटेल उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह विपिन कुशवाहा शिक्षक पप्पू कुमार सचिन कुमार ने पूर्व विधायक शिवजी राय को फूलों का माला से भव्य स्वागत किया गया। वही सभा को संबोधित करते हुए विपिन प्रसाद ने बताया कि जिस तरह नीतीश कुमार बिहार के लिए जरूरी है उसी प्रकार शिवजी राय मधुबन विधान सभा के लिए जरूरी है। अपने कार्यकाल में जितना विकास पूर्व विधायक शिवाजी राय ने किया है आज तक इस विधानसभा में कभी नहीं हुआ। वही सभा को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक शिवजी राय ने नीतिक कुमार को विकास पुरुष बताया और नीतीश कुमार के चलाए जा रहे 41 योजनाओं के संबंध में उन्होंने विस्तार से जानकारी दी। पूर्व विधायक ने अपने 10 साल के विधायकी में किए गए। कार्यो की चर्चा भी की उन्होंने कहा कि जहां पुल पुलिया अति जरूरी थी वहा नहीं बना था। 10 साल में उन्होंने मधुबन विधानसभा के क्षेत्र में पुल पुलिया बनवाने का काम किया कई स्कूल कॉलेज बनवाने का काम किया। पूर्व विधायक ने आगे बताया कि नीतीश कुमार ने बिहार को अपराध मुक्त बनाया बिहार में आज बिना डर भय के कोई भी व्यक्ति कहीं जा सकता है आ सकता है। नीतीश कुमार के कार्यों का परिणाम यह है कि बिहार का डंका पूरे देश में बज रहा है। मौके पर डॉ रूपेश कुमार डॉक्टर पप्पू कुमार अनिल कुमार सुनील कुमार प्रभु यादव गुड्डू कुमार के साथ सैकड़ो की उपस्थित रहे।

सीआरपीएफ स्व विकास झा क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में पुष्कर एलेवेन श्रीपुर की टीम रही विजय

बीएनएम। सुगौली पू0च0

सुगौली सीआरपीएफ शहीद स्व विकास झा क्रिकेट टूर्नामेंट के तत्वाधान में फुलवरिया आदर्श उच्च विद्यालय के प्रांगण में आयोजित फाइनल मैच का उद्घाटन जन सुराज नेता अजय झा,जुल्फिकार आलम,मुखिया अवधेश कुशवाहा,संदीप मिश्र ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर परिचय पात्र कर किया। मैच माधोपुर क्रिकेट टीम एवं पुष्कर एलेवेन श्रीपुर टीम के बीच खेला गया। जिसमें पुष्कर एलेवेन श्रीपुर टीम ने मैच जीतकर कप पर कब्जा कर लिया। माधोपुर की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। जिसमें पहली पारी में पुष्कर एलेवेन की टीम ने197 रन बनाया। जिसके जवाब में माधोपुर की टीम ने 156 रन पर सिमट गई। विजयी कप पुष्कर एलेवेन श्रीपुर टीम को अजय झा व उपविजेता टीम माधोपुर को मुखिया अवधेश कुशवाहा ने कप दिया। मैन ऑफ द मैच का खिताब खुशी कुरैशी को मुखिया रंजीत झा ने कप व नगद प्रोत्साहन राशि देकर प्रदान किया। मैन ऑफ द सीरीज वाई फाई को मुखिया प्रभाकर मिश्र के द्वारा दिया गया। मैच में एम्पायर मनीष मिश्र,मनोज कुमार,कमेंटेटर विश्वजीत झा,प्रमोद मिश्र,स्कोरर हर्षित झा थे। मौके पर प्रखंड मुखिया संघ उपाध्यक्ष प्रभाकर मिश्र, मुखिया अवधेश कुशवाहा,रंजीत झा,पैक्सध्यक्ष संजीव शर्मा,अध्यक्ष बृजेंद्र मिश्र उर्फ लड्डू, संयोजक मनप्रीत ठाकुर,पार्षद रोचक झा,जयकांत मिश्र,पुष्कर झा,अश्वनी झा,जुल्फिकार आलम,सुकन साह,रजनीश झा,साजन मिश्र,पुंजप्रकाश झा,बिक्कू श्रीवास्तव,शशि रंजन झा,संजय ठाकुर,अभय कुमार,मुन्ना समेत कई थे।

निर्वाचन आयोग बिल्कुल बेफिक्र

अपने ताजा कदम से आयोग ने यही पैगाम दिया है कि जिसे जो सोचना हो, सोचता रहे- उसे उसकी कोई परवाह नहीं है। जाहिर है, जिस रेफरी को अपनी निष्पक्ष छवि की परवाह हो, वह ऐसा नजरिया नहीं अपना सकता। भारतीय निर्वाचन आयोग की साख पर पहले से कई सवाल हैं, जिन्हें वह सिरे से नजरअंदाज करता आया है। अब उसके एक ताजा कदम से ये सवाल और गहरे होंगे। इस कदम से आयोग ने यही पैगाम दिया है कि जिसे जो सोचना हो, सोचता रहे- उसे उसकी कोई परवाह नहीं है। जाहिर है, जिस रेफरी को अपनी निष्पक्ष छवि की परवाह हो, वह ऐसा नजरिया नहीं अपना सकता। अब आयोग से यह भी पूछा जाएगा कि वह अपने विवेक से ऐसे निर्णय लेता है, इसके लिए उस पर कोई दबाव है? आखिरकार ऐसे प्रश्नों के साथ भारत में चुनावों की विश्वसनीयता और लोकतंत्र का भविष्य जुड़ा हुआ है। ताजा मामले में आयोग ने एक नियम को बदल डाला है। नियम यह था कि अदालत ने अगर आदेश दिया, तो आयोग सार्वजनिक निरीक्षण के लिए अपने पास मौजूद सारे दस्तावेज संबंधित याचिकाकर्ता को देगा। इनमें वीडियो फुटेज भी शामिल हैं। अधिवक्ता महमूद प्राचा ने इसी नियम का सहारा लिया। उन्होंने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में हरियाणा विधानसभा चुनाव से संबंधित वीडियो फुटेज सहित सभी दस्तावेजों की मांग की। हाई कोर्ट ने उनकी गुजारिश मान ली और निर्वाचन आयोग को इन सबको उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इसके बाद आनन-फानन में आयोग ने वो नियम ही बदल डाला। अब प्रावधान किया गया है कि दस्तावेज के तहत वीडियो फुटेज शामिल नहीं होंगे। कारण यह बताया गया कि मूल नियम में ऐसा प्रावधान नहीं था। इस परिवर्तन के पहले राजनीतिक दलों से कोई राय-मशविरा नहीं किया गया। इसलिए विपक्ष के इस आरोप में दम है कि नियम में बदलाव परदादारी के लिए किया गया है। हरियाणा विधानसभा चुनाव के संचालन में- खासकर ईवीएम को लेकर कांग्रेस ने कई गंभीर इल्जाम लगाए थे। वे आरोप सही थे या नहीं, ये बिल्कुल अलग मुद्दा है। मगर कोर्ट का आदेश आने के बाद संबंधित नियम में परिवर्तन ऐसा मामला है, जिससे शक पैदा होना लाजिमी है। चुनावों पर शक और सवालों का घेरा कसता जाए, यह पूरी तरह अवांछित है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि निर्वाचन आयोग उसके ऐसे कदमों से बनने वाली धारणाओं को लेकर बिल्कुल बेफिक्र है।

बॉलीवुड के अनकहे किस्से, बस यही अपराध में हर बार करता हूं...

चार जनवरी, 2025 को प्रख्यात हिंदी कवि और गीतकार गोपालदास नीरज को 100वीं जयंती मनाई गई।लोकप्रिय मंचीय कवि होने के साथ उन्होंने अनेक फिल्मों के लिए कई यादगार गीत लिखे। उनके लिखे गीत-कारवां गुजर गया गुबार देखते रहे...। बस यही अपराध में हर बार करता हूं...। शोखियों में घोला जाए थोड़ा सा शबाब...। फूलों के रंग से दिल की कलम से...। खिलते हैं गुल यहां खिल के बिखरने को...। चूड़ी नहीं ये मेरा दिल है...। ऐ भाई जरा देख के चलो...। आज भी शिद्दत से सुने जाते हैं। गोपालदास नीरज के पुत्र मिलन प्रभात "गुंजन " द्वारा पिता पर लिखी पुस्तक "नीरज की यादों का कारवां " में उन्होंने उनके अभावग्रस्त बचपन, पूरे जीवन संघर्ष और उनकी काव्य यात्रा उनके कवि सम्मेलनों उनका फिल्मों में पहुंचना, उनके ज्योतिष ज्ञान और अटल बिहारी वाजपेयी जी से उनके खास संबंध और उनके जीवन के कुछ अनछुए पहलुओं पर भी विस्तार से चर्चा की है। नीरज का जन्म चार जनवरी, 1925 को पुरावली (इटावा) उत्तर प्रदेश में हुआ था। जब वह छह वर्ष के थे तभी उनके पिता गुजर गए । उनकी मां अपने पिता के पास इटावा चली आईं। आर्थिक हालत ठीक नहीं थे। इसलिए नीरज और उनके बड़े भाई को पढ़ने के लिए उनकी बुआ ने अपने पास एटा बुला लिया। साल 1942 में उन्होंने हाईस्कूल पास किया। इटावा में जीवनयापन के लिए उन्होंने कचहरी में टाइपिंग का काम किया और फिर दिल्ली में सप्लाई विभाग में टाइपिंग की नौकरी मिलने पर दिल्ली आ गए। उस समय उनकी तनख्वाह 67 रुपये थी जिसमें से वे 40 रुपये इटावा भेज देते थे। इस बीच वे कवि सम्मेलनों में निरंतर भाग ले रहे थे। किसी कवि सम्मेलन में उनकी कविता सुनकर हफीज जालंधरी ने सॉन्ग एंड ड्रामा डिवीजन में उन्हें 110 रुपये की नौकरी लगवा दी। लेकिन अंग्रेजों के खिलाफ कविता लिखने के कारण यह नौकरी भी जाती रही। अलग-अलग नौकरी करते हुए उन्होंने प्राइवेट इंटर और 1951 में बीए प्रथम श्रेणी में पास किया । इसके बाद मेरठ और कानपुर में कुछ समय नौकरी करने के बाद अंत में वे अलीगढ़ के डीएस कॉलेज में पढ़ाने लगे। उनका पूरे देश के कवि सम्मेलनों में आना-जाना लगा रहता था। वह उन दिनों मंच के सबसे चर्चित और पसंद किए जाने वाले कवि थे। मुंबई के बिरला मातुश्री सभागार में नौ फरवरी, 1960 को एक प्रोग्राम नीरज गीत गुंजन के नाम से हुआ, जिसमें आर चंद्रा जो कि अलीगढ़ के ही रहने वाले थे और उस समय के प्रसिद्ध हीरो भारत भूषण के भाई थे ने उनके कविता पाठ से प्रभावित हो उन्हें फिल्मों में लिखने के लिए मुंबई आमंत्रित किया। नीरज मुंबई रहने के लिए तो नहीं माने लेकिन गीत लिखने के लिए तैयार हो गए वह भी इस शर्त पर कि जब गाने की रिकॉर्डिंग होगी तब वह मुंबई आ जाएंगे। इस तरह 'नई उमर की नई फसल' फिल्म बनी और उसमें उनके मशहूर गीत 'कारवां गुजर गया गुबार देखते रहे' का इस्तेमाल किया गया। इस फिल्म की ज्यादातर शूटिंग अलीगढ़ यूनिवर्सिटी में हुई। इसमें तनुजा ने हीरोइन का रोल किया था। फिल्म के गाने तो बहुत हिट हुए लेकिन फिल्म सफल नहीं हो पाई। नीरज के गाने लोकप्रिय होने के कारण और लोग भी उनको फिल्मों में गीत लिखने के लिए बुलाने लगे। उसके बाद 'चा चा चा' फिल्म के लिए उन्होंने कुछ गीत लिखे और 'सती नारी' का एक गीत भी बहुत लोकप्रिय हुआ। इस तरह मझली दीदी, दुल्हन एक रात की, तू ही मेरी जिंदगी आदि फिल्मों के गीत भी खूब पसंद किए गए। आखिरकार 1966 में नीरज जी मुंबई शिफ्ट हो गए। फिर तो कन्यादान, पहचान, लाल पत्थर, उमंग, पतंगा,कल आज और कल, मेरा नाम जोकर जैसी फिल्मों के कालजयी गीत उन्होंने लिखे। साल 1969 में उन्हें 'चंदा और बिजली' के गीत 'काल का पहिया घूमे' के लिए सर्वश्रेष्ठ गीतकार का फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला। उसके बाद देवानंद ने उनसे प्रेम पुजारी के गीत लिखववाए । बाद में देवानंद की तीन और फिल्मों तेरे मेरे सपने, गैंबलर और छुपा रुस्तम के गीत भी उन्होंने लिखे।

भारत में कुम्भ मेले की जड़ें सहस्त्राब्दियों वर्ष पुरानी

अशोक प्रवृद्ध

ऐतिहासिक विवरणियों के अनुसार भारत में कुम्भ मेले की जड़ें सहस्त्राब्दियों वर्ष पुरानी हैं, जिसका प्रारंभिक उल्लेख वैदिक, पौराणिक ग्रंथों तथा चौथी शताब्दी ईसा पूर्व से छठी शताब्दी ईस्वी में भारत के शासक रहे मौर्य और गुप्त काल के दौरान मिलता है। तीर्थराज प्रयाग पवित्र स्थलों में सबसे ऊपर माना जाता है। पवित्रता के प्रतीक के रूप में मान्यता प्राप्त गंगा नदी को पुण्यदायिनी कहा जाता है। पुण्य व धार्मिकता की दाता गंगा भक्ति की प्रतीकात्मक यमुना नदी से मिलती है, जिनसे अदृश्य स्वरूपिणी ज्ञान की प्रतीक सरस्वती मिलती है। भारत में पवित्र नदियों के किनारे अवस्थित चार स्थानों – हरिद्वार, उज्जैन, नासिक और प्रयागराज में कुम्भ (कुंभ) मेला का पवित्र आयोजन सदियों से होता रहा है। खगोलीय गणनानुसार यह मेला मकर संक्रान्ति के दिन प्रारंभ होता है, जब सूर्य और चंद्रमा वृश्चिक राशि में और बृहस्पति, मेष राशि में प्रवेश करते हैं। यह समय आंतरिक रूप से आध्यात्मिक स्वच्छता और आत्मज्ञान के लिए शुभ अवधि का संकेत माना जाता है। हरिद्वार, उज्जैन, नासिक और प्रयागराज में से प्रत्येक स्थान पर प्रत्येक 12 वें वर्ष तथा प्रयाग में दो कुम्भ पर्वों के बीच छह वर्ष के अंतराल में अर्द्धकुम्भ का आयोजन भी होता है। भारतीय संस्कृति में प्रयागराज में अवस्थित गंगा, यमुना और पौराणिक गुप्त सरस्वती के संगम स्थल को अत्यंत पवित्र, धार्मिक व आध्यात्मिक महत्व का प्रतीक माना जाता रहा है। कुम्भ मेले के अवसर पर इस संगम स्थल में आयोजित होने वाले कुम्भ पर्व में करोड़ों श्रद्धालु एकत्र होते हैं और नदी में स्नान करते हैं, धार्मिक आयोजनों व आध्यात्मिक प्रवचनों में भाग लेते हैं। वर्ष 2013 का कुम्भ प्रयाग में हुआ था। फिर 2019 में प्रयाग में अर्द्धकुम्भ मेले का आयोजन हुआ था। अब 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक प्रयाग में महाकुम्भ का आयोजन होगा। इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर व्यापक तैयारी की गई है। ऐतिहासिक विवरणियों के अनुसार भारत में कुम्भ मेले की जड़ें सहस्त्राब्दियों वर्ष पुरानी हैं, जिसका प्रारंभिक उल्लेख वैदिक, पौराणिक ग्रंथों तथा चौथी शताब्दी ईसा पूर्व से छठी शताब्दी ईस्वी में भारत के शासक रहे मौर्य और गुप्त काल के दौरान मिलता है। इसमें पूरे भारतीय उपमहाद्वीप से तीर्थयात्री आते थे। गुप्तकाल के शासकों ने प्रतिष्ठित धार्मिक मंडली के रूप में इसकी स्थिति को और अधिक महत्व प्रदान किया। मध्य काल में कुम्भ मेले को विभिन्न शाही राजवंशों से संरक्षण प्राप्त हुआ, जिनमें दक्षिण में चोल और विजयनगर साम्राज्य, उत्तर में दिल्ली सल्तनत, राजपूत व मुगल मुगल शासकों का संरक्षण मिला। कहा जाता है कि अकबर ने भी धार्मिक सहिष्णुता की भावना को दर्शाते हुए कुम्भ समारोहों में भाग लिया था। ब्रिटिश प्रशासकों ने इस उत्सव को देखकर इसके विशाल पैमाने और इसमें आने वाले लोगों के विविध सभाओं में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं की वृहत संख्या को देख आश्चर्यचकित होकर इसका दस्तावेजीकरण किया। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद आवागमन के साधनों के विकसित होने से महाकुम्भ मेले को और भी अधिक महत्व प्राप्त हुआ, जो राष्ट्रीय एकता और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। यूनेस्को द्वारा 2017 में कुम्भ को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता प्राप्त है। कुम्भ का शाब्दिक अर्थ घड़ा, सुराही, बर्तन है। पौराणिक ग्रंथों में इसका वर्णन जल अथवा अमरता अर्थात अमृत के लिए किया गया है। मेला शब्द का अर्थ है- किसी एक स्थान पर मिलना, एक साथ चलना, सभा में अथवा फिर विशेष रूप से सामुदायिक उत्सव में उपस्थित होना। इस प्रकार, कुम्भ मेले का अर्थ है -अमरत्व का मेला। ज्योतिष व खगोलीय गणनाओं के अनुसार कुम्भ मेला मकर संक्रान्ति के दिन प्रारंभ होता है, जब सूर्य और चन्द्रमा, वृश्चिक राशि में और वृहस्पति, मेष राशि में प्रवेश करते हैं। मकर संक्रान्ति के होने वाले इस योग को कुम्भ स्नानयोग कहते हैं और इस दिन को विशेष मंगलकारी माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन पृथ्वी से उच्च लोकों के द्वार खुलते हैं और इस प्रकार इस दिन स्नान करने से आत्मा को उच्च लोकों की प्राप्ति सहजता से हो जाती है। यहाँ स्नान करना साक्षात स्वर्ग दर्शन माना जाता है। भारतीय संस्कृति व हिन्दू धर्म में कुम्भ का अत्यधिक महत्व माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं व ज्योतिषिय गणनानुसार कुम्भ का असाधारण महत्व बृहस्पति के कुम्भ राशि में प्रवेश तथा सूर्य के मेष राशि में प्रवेश के साथ जुड़ा है। ग्रहों की स्थिति हरिद्वार से बहती गंगा के किनारे पर स्थित हर की पौड़ी स्थान पर गंगा जल को औषधिकृत करती है तथा उन दिनों यह अमृतमय हो जाती है। यही कारण है ?कि अपनी अंतरात्मा की शुद्धि हेतु पवित्र स्नान करने लाखों श्रद्धालु यहाँ आते हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से अर्ध कुम्भ के काल में ग्रहों की स्थिति एकाग्रता तथा ध्यान साधना के लिए उत्कृष्ट होती है। यही कारण है कि ऐसे अवसरों पर यहाँ अर्ध कुम्भ तथा कुम्भ मेले के लिए आने वाले श्रद्धालुओं व पर्यटकों की संख्या सर्वाधिक होती है। कुम्भ पर्वायोजन को लेकर अनेक पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं, जिनमें से एक सर्वाधिक मान्य कथा देवता व दानवों के सामूहिक प्रयत्न से संपादित समुद्र मंथन से प्राप्त अमृत कुम्भ से अमृत बूँदें गिरने से संबंधित है। इस पौराणिक कथा के अनुसार महर्षि दुर्वासा के शाप के कारण इन्द्र और अन्य देवता श्रीहीन हो गए। देवताओं के कमजोर हो जाने पर दैत्यों ने देवताओं पर आक्रमण कर उन्हें परास्त कर दिया। तब सब देवता मिलकर भगवान विष्णु के पास गए और उन्हें सारा वृतान्त सुनाया। तब भगवान विष्णु ने उन्हे दैत्यों के साथ मिलकर क्षीरसागर का मंथन करके अमृत निकालने की सलाह दी। भगवान विष्णु के सलाह पर सभी देवता दैत्यों के साथ सन्धि करके अमृत निकालने के यत्न में लग गए। उनके अथक प्रयास से उन्हें अमृत कलश प्राप्त हुआ, लेकिन अमृत कुम्भ के निकलते ही देवताओं के इशारे से इन्द्रपुत्र जयन्त अमृतकलश को लेकर आकाश में उड़ गया। उसके बाद दैत्यगुरु शुक्राचार्य के आदेशानुसार दैत्यों ने अमृत को वापस लेने के लिए जयन्त का पीछा किया। घोर परिश्रम के बाद दैत्यों ने बीच रास्ते में ही जयन्त को पकड़ लिया। तत्पश्चात अमृत कलश पर अधिकार जमाने के लिए देवता व दानवों में बारह दिन तक अविराम युद्ध होता रहा। इस परस्पर संघर्ष के दौरान पृथ्वी के चार स्थानों -प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन, नासिक में जयन्त ने कलश को रखा जहां कलश से अमृत की बूंदें छलक कर गिर पड़ीं। उस समय चंद्रमा ने घट से प्रस्रवण होने से, सूर्य ने घट फूटने से, गुरु ने दैत्यों के अपहरण से एवं शनि ने देवेन्द्र के भय से घट की रक्षा की। कलह शान्त करने के लिए भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप धारण कर यथाधिकार सबको अमृत बाँटकर पिला दिया। इस प्रकार देव-दानव युद्ध का अन्त किया गया। कथा के अनुसार अमृत प्राप्ति के लिए देव-दानवों में परस्पर बारह दिन तक निरंतर युद्ध हुआ था। देवताओं के बारह दिन मनुष्यों के बारह वर्ष के तुल्य होते हैं। इसलिए कुम्भ भी बारह होते हैं। उनमें से चार कुम्भ पृथ्वी पर होते हैं और शेष आठ कुम्भ देवलोक में होते हैं, जिन्हें देवगण ही प्राप्त कर सकते हैं, मनुष्यों की वहाँ पहुँच नहीं है। जिस समय में चन्द्रादिकों ने कलश की रक्षा की थी, उस समय की वर्तमान राशियों पर रक्षा करने वाले चंद्र -सूर्यादिक ग्रह जब आते हैं, उस समय कुम्भ का योग होता है अर्थात जिस वर्ष जिस राशि पर सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति का संयोग होता है, उसी वर्ष, उसी राशि के योग में, जहाँ-जहाँ अमृत बूँद गिरी थी, वहाँ-वहाँ कुम्भ पर्व का आयोजन होता है। पृथ्वी पर होने वाले चार कुम्भ हैं- प्रथम उत्तराखंड की गंगा नदी पर हरिद्वार में, द्वितीय मध्यप्रदेश की शिप्रा नदी पर उज्जैन में, तृतीय महाराष्ट्र की गोदावरी नदी पर नासिक में और चतुर्थ उत्तर प्रदेश की गंगा यमुना और गुप्त सरस्वती नदियों के संगम पर। तीर्थराज प्रयाग पवित्र स्थलों में सबसे ऊपर माना जाता है। पवित्रता के प्रतीक के रूप में मान्यता प्राप्त गंगा नदी को पुण्यदायिनी कहा जाता है। पुण्य व धार्मिकता की दाता गंगा भक्ति की प्रतीकात्मक यमुना नदी से मिलती है, जिनसे अदृश्य स्वरूपिणी ज्ञान की प्रतीक सरस्वती मिलती है। तीर्थराज प्रयाग की त्रिवेणी के कुम्भ को शक्तिशाली कहा गया है।

मान्यतानुसार पृथ्वी के विशालतम मानव समागम के कुम्भ मेला में स्नान, दान और दर्शन से मनुष्य को जीवन के अनंत चक्र से मुक्ति मिल जाती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार प्रत्येक बारह वर्ष में मानव मोक्ष के द्वार खुलते हैं। 2025 में बृहस्पति मेष राशि में और सूर्य, चंद्र मकर राशि पर अमावस्या तिथि पर आने के कारण उस समय प्रयागराज में कुम्भ का योग बनेगा। और प्रयागराज के गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संगम तट पर कुम्भ मेला आयोजित होगा। लाखों लोगों के द्वारा शांति पूर्ण ढंग से भागीदारी निभाने से सम्पन्न होने वाला यह रहस्यमय मेला कुम्भ कोई संगठित आयोजन नहीं, बल्कि एक स्वतः स्फूर्त, आंतरिक, प्राचीन और निरंतर घटना है। यह भारतीय उप-महाद्वीप का धार्मिक, सांस्कृतिक, पौराणिक और आर्थिक महत्व का विशालतम आयोजन है। इस आयोजन में मानव धार्मिक तीर्थ-आध्यात्मिक दर्शन करते हुए स्नान-दान, जीवन- मृत्यु के साथ मोक्ष को साक्षात साकार कर अपने को धन्य महसूस करता है।

भारत की राजनीति को भाई-भतीजावाद से मुक्ति कैसे

अजीत द्विवेदी

नए साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक प्रमुख लक्ष्य राजनीति को परिवारवाद से मुक्ति दिलाने का होना चाहिए। उन्होंने बड़ी प्रतिबद्धता के साथ यह लक्ष्य तय किया है। परंतु मुश्किल यह है कि राजनीति की ऊपर से नीचे तक सफाई करने और राजनेताओं के ऊपर लंबित मुकदमों को प्राथमिकता के साथ निपटा कर राजनीति को अपराध मुक्त करने का लक्ष्य भी उन्होंने इतनी ही प्रतिबद्धता के साथ तय किया था। बनाने के मामले में अव्वल नहीं है तो किसी से पीछे भी नहीं है। तभी राजनीति को परिवारवाद से मुक्त करने की उनकी प्रतिबद्धता को लेकर भी सवाल उठते हैं और ऐसा लगता है कि भाई-भतीजावाद से भारतीय राजनीति को मुक्ति दिलाने से उनका मतलब सिर्फ नेहरू गांधी परिवार या उनके साथ राजनीतिक गठजोड़ करने वाले कुछ अन्य परिवारों को राजनीति में हाशिए पर ले जाना या उनको चुनाव हराना है। इसके बावजूद अगर नए साल के दूसरे दिन हम इस सवाल पर चर्चा कर रहे हैं कि भारत की राजनीति को भाई-भतीजावाद से मुक्ति कैसे मिलेगी तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के घोषित लक्ष्य के साथ साथ इसका एक दूसरा कारण यह है कि सुप्रीम कोर्ट के नए चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने भारत की शीर्ष न्यायपालिका को परिवारवाद से मुक्ति दिलाने की योजना बनाई है। हालांकि अभी तक इस बारे में आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है लेकिन जो खबर आई है उसके मुताबिक चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा है कि हाई कोर्ट्स और सुप्रीम कोर्ट में ऐसे लोगों को जज नहीं बनाया जाएगा, जिनके परिवार के लोग जज रहे होंगे। बताया जा रहा है कि उन्होंने हाई कोर्ट्स की कॉलेजियम को निर्देश भेजा है कि वे ऐसे वकीलों के नाम जज के लिए नहीं भेजें, जिनके परिवार के लोग जज रहे हों। उन्होंने यह भी कहा है कि पहली पीढ़ी के वकीलों में जो अच्छा कर रहे हों उनके नाम की सिफारिश की जाए। इसका मतलब है कि उच्च अदालतों की कॉलेजियम से हाई कोर्ट में जज बनने के लिए पहली पीढ़ी के वकीलों या निचली अदालत के पहली पीढ़ी के जजों के नाम की ही सिफारिश की जाएगी। जब चीफ जस्टिस ने उच्च अदालतों की कॉलेजियम को यह निर्देश दिया है तो निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम भी इस सिद्धांत पर काम करेगी और पहली पीढ़ी के वकीलों या उच्च अदालतों के पहली पीढ़ी के जजों के नाम की सिफारिश ही सुप्रीम कोर्ट के जज के लिए करेगी। यह बहुत बेहतरीन और न्यायपालिका की शुचिता और उसके गौरवशाली भविष्य के प्रति आश्वस्ति दिलाने वाली पहल है। इसके बारे में जानना इसलिए भी बहुत सुखद अनुभूति देने वाला है क्योंकि चीफ जस्टिस संजीव खन्ना खुद ही ऐसे परिवार से आते हैं, जिस परिवार के लोग हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जज रहे हैं। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना के पिता जस्टिस देवराज खन्ना दिल्ली हाई कोर्ट में जज थे और उनके चाचा जस्टिस हंसराज खन्ना सुप्रीम कोर्ट में जज थे। जस्टिस हंसराज खन्ना अपने जीवन काल में ही लीजेंड बन गए थे। उन्होंने इमरजेंसी के समय एडीएम जबलपुर केस में यह फैसला लिखा था कि कोई भी सरकार या कोई भी कानून किसी व्यक्ति से सम्मान से जीने का अधिकार नहीं छीन सकता है क्योंकि यह अधिकार व्यक्ति को किसी संविधान ने नहीं दिया है, बल्कि संविधान की व्यवस्था के पहले से व्यक्ति इस अधिकार के साथ पैदा होता है। पांच जजों की बेंच में वे अकेले जज थे, जिन्होंने यह फैसला लिखा था और इसकी कीमत उन्हें चीफ जस्टिस की कुर्सी से महरूम होकर चुकानी पड़ी थी। फैसले से नाराज इंदिरा गांधी ने वरिष्ठता में नंबर दो जज हंसराज खन्ना की बजाय चौथे नंबर के जज एमएच बेग को चीफ जस्टिस बनाया और विरोध में जस्टिस खन्ना ने इस्तीफा दे दिया था। सो, इसे प्रकृति का न्याय कह सकते हैं कि जस्टिस हंसराज खन्ना के भतीजे संजीव खन्ना देश के चीफ जस्टिस बने हैं और उन्होंने यह पहल की है कि जजों के परिजनों के नाम की सिफारिश जजशिप के लिए नहीं की जाएगी। उन्होंने एक दूसरी पहल भी है कि और वह भी बहुत शानदार है। बताया जा रहा है कि उन्होंने तय किया है कि हाई कोर्ट्स या सुप्रीम कोर्ट में जज के लिए किसी के नाम की सिफारिश करने से पहले कॉलेजियम उससे मिलेंगे और बात करेंगे। जिसे जज बनाया जाना है उससे मिलना और उसके विचारों को समझने का प्रयास करना एक बेहद जरूरी पहल है, जो चीफ जस्टिस संजीव खन्ना करते दिख रहे हैं। ध्यान रहे पिछले कुछ समय से देश की उच्च न्यायपालिका की इस बात के लिए आलोचना होती रही है कि जजों की नियुक्ति और तबादले के लिए कॉलेजियम की व्यवस्था इसलिए बनाए रखी गई है ताकि जजों के बच्चों को जज बनाया जा सके। नरेंद्र मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में लाए गए राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग के गठन के कानून को अदालत द्वारा खारिज किए जाने को इसी नजरिए से देखा जाता है। इस धारणा को बदलने और न्यायपालिका को भाई-भतीजावाद से मुक्त करने की लिए चीफ जस्टिस ने जो पहल की है उसी से यह विचार उठा है कि क्या इसी तरह से राजनीति को भाई-भतीजावाद से मुक्त किया जा सकता है? क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इससे सूत्र पकड़ कर आगे बढ़ सकते हैं? राजनीति और न्यायपालिका का मामला निश्चित रूप से बिल्कुल अलग है लेकिन इसे आधार बना कर एक छोटी पहल तो निश्चित रूप से की जा सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि एक लाख युवाओं को राजनीति में लाना है और उन्हें आगे के लिए तैयार करना है। उन्होंने लाल किले से अपने भाषण में यह बात कही थी और उसके बाद से करीब पांच महीने बीत गए हैं। लेकिन ऐसा कहीं दिख नहीं रहा है कि भाजपा पढ़े लिखे, आदर्शवादी और जन कल्याण के लिए प्रतिबद्ध युवाओं की पहचान करके उनको राजनीति में आगे बढ़ाने की कोई पहल कर रही है। इसलिए प्रधानमंत्री की बात अभी तो धरातल पर उतरने वाली नहीं दिख रही है। लेकिन जिस तरह की पहल चीफ जस्टिस ने सुप्रीम कोर्ट में की है उस तरह की पहल प्रधानमंत्री मोदी सरकार में कर सकते हैं। वे इस बात से शुरुआत कर सकते हैं कि जिन लोगों के पिता या परिवार के दूसरे सदस्य राज्य या केंद्र में मंत्री रहे हैं उनको मंत्री नहीं बनाया जाएगा। यानी जिस तरह से न्यापालिका में पीढ़ी दर पीढ़ी लोग जज होते रहे हैं और उसे रोकने का प्रयास हो रहा है उसी तरह पीढ़ी दर पीढ़ी मंत्री हो रहे लोगों को राजनीति में रोका जाए। यह एक छोटी शुरुआत होगी लेकिन इसका संदेश बहुत बड़ा होगा। अगर यह सुनिश्चित कर दिया जाए कि जिनके परिवार का कोई सदस्य मंत्री रहा है वह मंत्री नहीं बनेगा और जिनके परिवार के लोग मुख्यमंत्री रहे हैं वे मुख्यमंत्री नहीं बन सकते हैं तो यह भारतीय राजनीति में परिवारवाद के अंत की शुरुआत हो जाएगी। इससे नए लोगों में या पहली पीढ़ी के राजनेताओं में बेहतर करने की आकांक्षा जगेगी, प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और अच्छे लोग राजनीति की ओर आकर्षित होंगे। यह प्रधानमंत्री का विशेषाधिकार होता है और इसमें कोई संवैधानिक प्रावधान बाधा भी नहीं बनेगा। इसके बाद सभी पार्टियां इस सिद्धांत को लागू कर सकती हैं। कानून बना कर रोकने की बजाय पार्टियां यह परंपरा बना सकती हैं कि पहले मंत्री रहे लोगों के परिवार से किसी को मंत्री नहीं बनाएंगी और सांसदों व विधायकों के परिवार के सदस्यों को चुनाव लडऩे की टिकट नहीं देंगी।

मेष राशि- आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा । आज आपको अपने कार्यक्षेत्र के सकारात्मक माहौल में काम करने को मिलेगा। कलीग्स के साथ आपके रिश्ते अच्छे रहेंगे। आज आप नया काम शुरू करेंगे । जिसमें आपको अच्छी सफलता मिलने के योग हैं। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी ।

वृष राशि-आज आपका दिन फायदेमंद रहेगा। पारिवारिक जीवन में खुशियां देखने को मिलेंगी। बहुत समय से रुके हुए काम पूरे होंगे। कार्यक्षेत्र में आपको सहकर्मियों का साथ मिलेगा। आप अपने मित्रों के साथ आनंदपूर्वक दिन बिताएंगे। आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा। आज आप जीवनसाथी के साथ खरीदारीकरने में व्यस्त रहेंगे।

मिथुन राशि- आज आपका दिन मंगलमय रहेगा। आपको अपनी नौकरी में उत्तम परिणाम देखने को मिलेंगे। आपके लिए परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। कार्यस्थल पर विरोधी कुछ मुश्किलें खड़ी करेंगे । लेकिन आप अपने काम पर फोकस करेंगे। आपकी एकाग्रता आपको सफलता दिलाएगी। आपकी बचत योजनाएं कामयाब रहेंगी। आपको निवेश करने का सुनहरा मौका मिलेगा।

कर्क राशि- आज आपका दिन आनंद से भरा रहेगा। आपको आज खुशखबरी मिलेगी। नौकरी में प्रमोशन की आपकी प्रतीक्षा समाप्त होगी। नई पोस्ट पर काम का दबाव बढ़ेगा। आप पूरी सावधानी से काम करेंगे। आज आप घर परिवार की समस्याओं को सुलझाने में कामयाब रहेंगे। आपके लिए आर्थिक लाभ की स्थिति बनेगी। किसी कार्य योजना के कारण आपको दूर की यात्रा करनी पड़ेगी।

सिंह राशि- आपके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा। अनेक साधनों से आर्थिक लाभ होने के संभावना है। संतान की ओर से सुखद समाचार की प्राप्ति होगी। नौकरी में सफलता के योग हैं। आपकी सैलरी बढ़ सकती है। जमीन जायदाद के मामलों में कुछ समस्या आएगी, लेकिन कोर्ट कचहरी में आपको सफलता मिलेगी। आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। इस दौरान आपके मित्र आपकी सहायता करेंगे।

कन्या राशि- आज आपका दिन खास रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा। नौकरी में काम का बोझ बढ़ सकता है, जिससे आप परिवार को समय नहीं दे पाएंगे। लेकिन आप कार्यक्षेत्र और घर में अच्छी तरह तालमेल बनाकर रखेंगे । पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा। संतान को लेकर उलझने दूर होगी । आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

तुला राशि- आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आप अपने निजी जीवन में चली आ रही परेशानियों को खत्म करने में कामयाब रहेंगे। पारिवारिक जीवन में खुशियां आएंगी । कार्य क्षेत्र में आपको अच्छी सफलता मिलेगी। सरकारी नौकरी के लिए प्रयास कर रहे हैं लोगों को नए अवसर मिलने की संभावना है। आपका रुतबा बढ़ेगा। आपका अनुभव प्रतिष्ठा का कारण बनेगा। समाज में आपको मान सम्मान की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन बदलाव लाने वाला है। आज आप अपनी दिनचर्या में बदलाव करेंगे। आप लोगों की मदद करने के लिए समय निकालेंगे। इस दौरान कुछ स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। जिससे आपकी निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होगी। व्यापार के विकास में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेंगे। आपके लिए आमदनी के योग बनेंगे।

धनु राशि- आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आपके रुके हुए काम पूरेहोंगे। जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा, और पूरे मनोबल के साथ आप कार्यक्षेत्र में अपने कार्यों को पूरा करेंगे। नौकरी में ट्रांसफर के योग हैं। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। परिवार के साथ आप खूबसूरत जगहों पर घूमने जा सकते हैं। जीवनसाथी के साथ आपकी बॉन्डिंग अच्छी रहेगी।

मकर राशि- आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज आपकी नये लोगों से मुलाकात होगी। आपके निजी प्रयासों से उत्तम सफलता मिलेगी। आपके लिए अचानक धन लाभ की संभावना बनेगी। कार्यक्षेत्र में आपके काम को देखते हुए अच्छी पदोन्नति मिलेगी। आप अपने काम के कारण काफी व्यस्त रहेंगे और परिवार को समय कम दे पाएंगे।

कुंभ राशि- आज आपका दिन रोज से बेहतर रहेगा। आप अपनी नौकरी बदलने का प्रयास करेंगे। इसमें आपको सफलता मिलने की संभावना है। आपकी सैलरी में वृद्धि होगी। आपकी आर्थिक स्थिति में संतुलन बना रहेगा। आपको किसी पारिवारिक समारोह में शामिल होने का मौका मिलेगा। आपके परिवारिक जीवन में सुख शांति रहेगी।

मीन राशि-आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको दोस्तों के साथ समय बिताने के अनेक मौके मिलेंगे। रिश्तेदारों के साथ छोटी मोटी यात्रा हो सकती हैं। आपकी यात्रा सुखद रहेगी। पारिवारिक रिश्तो में आपसी प्रेम बढ़ेगा। किसी पुराने मामले को लेकर न्यायालय का फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। नौकरी में प्रमोशन के योग बन रहे हैं।

शब्द पहेली - 8364

■	1		2	■	3		4	■
5		■		■		■	6	7
	■	■	8	9		10	■	
11		12	■		■	13		
■	■	14		■	15		■	■
16			■	17	■	18		19
	■	20	21		22	■	■	
23	24	■		■		■	25	
■	26			■	27			■

बाएँ से दाएँ

1. नियंत्रण, घोड़े की रास-3
3. ध्वज, झंडा-3
5. माहिर, होशियार-2
6. बेल, लतिका-2
8. अस्वीकृत करना-4
11. अदृश्य-3
13. फटकार, धिक्कार-3
14. अधर, होठ-2
15. सलाह, सुझाव-2
16. आश्रय-3
18. अनुमान, अंदाज-3
20. आलता, माहुर-4
23. नासिका-2
25. रहस्य-2
26. रेखा, लाइनू-3
27. परिमूल्य-3

ऊपर से नीचे

1. लाख, सौ हजार-2
2. बारीक, सूक्ष्म-3
3. तीन घंटे का समय-3
4. समय, वक्त-2
5. कोतवाल-3
7. बल, जोर, दम-3
9. श्रवणेंद्रिय-2
10. जो लायक न हो-4
12. कृष्ण के बड़े भाई-4
16. दर्पण, शीशा-3
17. नौका -2
19. आसान, सरल-3
21. उपस्थित-3
22. रस से भरा-3
24. बीता हुआ दिन-2
25. रजनी, निशा-2

शब्द पहेली -8363 का हल

■	आ	र	ति	■	अ	ना	मि	का
आ	ना	■	ल	जी	ज	■	■	र
ले	■	श	मि	■	र	न	■	तू
ख	ल	ब	ला	ना	■	र	ई	स
■	ग	■	ना	■	म	■	मा	■
ख	न	न	■	म	नो	न	न	य
लि	■	ल	क	■	रं	ग	■	ती
हा	■	■	हा	फि	ज	■	का	म
न	स	वा	र	■	न	ज	ला	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

सिडनी टेस्ट में भी हारा भारत, सीरीज गंवाने के साथ ही डब्ल्यूटीसी फाइनल की दौड़ से भी बाहर

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी में खेले गए पांचवें एवं अंतिम टेस्ट मैच में रविवार को भारतीय टीम को 6 विकेट से हरा दिया। भारतीय टीम ने मेजबानों के सामने 162 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने चार विकेट खोकर 162 रन बनाते हुए मैच अपने नाम कर लिया। इस हार के साथ भारतीय टीम ने पांच मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी सीरीज 3-1 से गंवा दी है। साथ ही भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की दौड़ से भी बाहर हो गई है। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने यह सीरीज अपने नाम करते ही लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बना ली है। दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले ही फाइनल के क्वालीफाई कर चुकी है। डब्ल्यूटीसी का खिताबी मुकाबला जून में लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। इस महत्वपूर्ण मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी और पहली पारी में 185 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 181 रन पर समाप्त हुई थी। इससे भारतीय टीम को दूसरी पारी में चार रन की बढ़त मिली। फिर भारतीय टीम की दूसरी पारी 157 रन पर सिमट गई और कुल 161 रन की बढ़त हासिल की। इस तरह ऑस्ट्रेलिया को 162 रन का लक्ष्य मिला। इसके बाद दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने चार विकेट के नुकसान पर 162 रन बनाकर मैच छह विकेट से जीत लिया। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड को सिडनी टेस्ट के बाद प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि भारतीय तेज गेंदबाद जसप्रीत बुमराह प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। उन्होंने सीरीज में कुल 32 विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी- 162 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने तेज शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास ने 17 गेंदों में 22 रन बनाए। उस्मान ख्वाजा ने 41 रन की पारी खेली। मार्नस लाबुशेन 6 रन और स्टीव स्मिथ 4 रन बनाए। इसके बाद ट्रेविस हेड ने नाबाद 34 रन और ब्यू वेबस्टर नाबाद 39 रन की पारी खेलकर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिला दी। भारतीय टीम दूसरी पारी में कप्तान जसप्रीत बुमराह के बिना उतरी थी। उन्हें पीठ में जकड़न की समस्या थी। उनकी जगह विराट कोहली ने कप्तानी की। भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा ने तीन विकेट और मोहम्मद सिराज ने एक विकेट लिया।

भारत की दूसरी पारी 157 रन पर सिमटी- भारतीय टीम की दूसरी पारी आज 157 रन पर सिमट गई। रविवार को भारतीय टीम ने छह विकेट पर 141 रन से आगे खेलना शुरू किया और 16 रन ही जोड़ सकी। रवीन्द्र जडेजा 13 रन, वॉशिंगटन सुंदर 12 रन, मोहम्मद सिराज 4 रन और जसप्रीत बुमराह खाता भी नहीं खोल सके। इससे पहले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने पहले विकेट के लिए 42 रन जोड़े थे। फिर राहुल 13 रन बनाकर और यशस्वी 22 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। शुभमन गिल भी 13 रन बनाकर कैच आउट हो गए। मैच में विराट कोहली एक बार फिर फ्लॉप रहे और स्लिप में कैच आउट हो गए। वह छह रन बना सके। इसके बाद ऋषभ पंत ने पारी को आगे बढ़ाया और ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। उन्होंने 33 गेंद में छह चौके और चार छक्के की मदद से 61 रन की तेजतर्रार पारी खेली। नीतीश कुमार रेड्डी चार रन बना सके। ऑस्ट्रेलिया की ओर से स्कॉट बोलैंड ने कुल छह विकेट झटके। वहीं, कप्तान पैट कमिंस ने तीन विकेट और ब्यू वेबस्टर ने एक विकेट लिया।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 181 पर सिमटी- इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 181 रनों पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए ब्यू वेबस्टर ने सर्वाधिक 57 रन बनाए। वेबस्टर के अलावा स्टीवन स्मिथ ने 33, सैम कोंस्टास ने 23 और एलेक्स कैरी ने 21 रन बनाए। भारत की तरफ से मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने 3-3, जबकि जसप्रीत बुमराह और नीतीश रेड्डी ने 2-2 विकेट लिया।

भारतीय टीम ने पहली पारी में 185 रन बनाए- इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी में 185 रन बनाए। भारत के लिए ऋषभ पंत ने सर्वाधिक 40 रन बनाए। पंत के अलावा रवींद्र जडेजा ने 26, कप्तान जसप्रीत बुमराह ने 22 और शुभमन गिल ने 20 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से स्कॉट बोलैंड ने सर्वाधिक 4 विकेट लिए। बोलैंड के अलावा मिचेल स्टॉर्क ने तीन, पैच कमिंस ने 2 और नाथन लियोन ने 1 विकेट लिया।

ऑस्ट्रेलिया ने 10 साल बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया- भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की सीरीज का पहला मैच पर्थ में खेला गया था। पहले मैच में भारतीय टीम ने 295 रन से जीत दर्ज कर की थी। इसके बाद एडिलेड में खेले गए डे-नाइट टेस्ट मैच में भारतीय टीम को 10 विकेट से हार मिली। फिर ब्रिस्बेन में खेला गया तीसरा टेस्ट ड्रॉ रहा। यह मैच बारिश से बाधित रहा था। मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ने 184 रन से जीत दर्ज की थी। अब सिडनी में खेले गए आखिरी टेस्ट में छह विकेट से जीत हासिल कर सीरीज को 3-1 से अपने नाम किया और 10 साल बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी सीरीज पर कब्जा जमाया।

रोहित के क्रिकेट भविष्य पर मुख्य कोच गौतम गंभीर ने क्या किया इशारा

नई दिल्ली। रोहित शर्मा के लिए 2024 का अंत अच्छा नहीं रहा और 2025 की शुरुआत भी कुछ ठीक नहीं रही। मेलबर्न टेस्ट में हार के ठीक बाद विश्व क्रिकेट में रोहित के टेस्ट क्रिकेट में भविष्य को लेकर अटकलें लग रही थीं और इसका संकेत बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के निर्णायक मैच से मिला जब रोहित ने बाहर होने का विकल्प चुना। रोहित ने अभी तक प्रारूप में अपने भविष्य को स्पष्ट बात नहीं की है, इसलिए अटकलों ने बीसीसीआई की चयन समिति के लिए आसन्न आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए नेतृत्व विकल्पों पर चर्चा करने के लिए दरवाजे खोल दिए हैं। भारत द्वारा टी-20 विश्व कप जीतने के बाद रोहित ने पिछले जून में टी20 इंटरनेशनल प्रारूप से संन्यास लिया और एक माह बाद सूर्यकुमार यादव ने कप्तानी संभाली। टेस्ट क्रिकेट में जसप्रीत बुमराह ने पहले पर्थ में भारत को शानदार जीत दिलाई थी और पारंपरिक प्रारूप में राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करने के लिए तैयार होते नजर आ रहे हैं। रोहित के भविष्य को लेकर बढ़ती अटकलों और भारतीय टीम में मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में स्पष्ट बदलाव के साथ, संकेत दिया कि बीसीसीआई पहले से ही वनडे क्रिकेट में नेतृत्व के विकल्प तलाश रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर रोहित की वनडे कप्तान के रूप में भूमिका जांच के दायरे में आती है, या चयनकर्ता 37 वर्षीय पर बोझ कम करने का फैसला करते हैं, तब हार्दिक पांड्या अगले कप्तान के रूप में उभर सकते हैं। ऑलराउंडर के पास पिछले दो वर्षों में सफेद गेंद के प्रारूपों में टीम का नेतृत्व करने का अनुभव है। रिपोर्ट में कहा गया, हार्दिक में उच्च दबाव की स्थितियों में नेतृत्व करने की क्षमता है और एक ऑलराउंडर और लीडर के रूप में उनका अनुभव उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी जैसे आईसीसी टूर्नामेंट के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है। भारत काफी हद तक विभाजित कप्तानी के पक्ष में नहीं रहा है। लेकिन भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार ने वनडे सेट-अप में अपनी जगह पक्की नहीं की है, इसलिए यह संभावना नहीं है कि हार्दिक पांड्या को 50 ओवर के क्रिकेट में कप्तान बनाया जाएगा। रोहित की जगह लेने के लिए अन्य खिलाड़ी पंत और शुभमन गिल हो सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि गिल को एक परिपक्व लीडर के रूप में विकसित होने के लिए समय की आवश्यकता है, इसके बाद हार्दिक रोहित से वनडे की जिम्मेदारी संभालने के लिए सबसे मजबूत दावेदार के रूप में उभरे हैं।

सिडनी पिच पर गावस्कर का तंज, कहा- भारत में ऐसा होता तो हंगामा मच जाता

सिडनी। भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेले जा रहे 5वें टेस्ट मैच में पिच को लेकर सवाल उठाए हैं। गावस्कर ने कहा कि इस पिच पर जो हालात हैं, उन्हें आदर्श टेस्ट पिच नहीं कहा जा सकता। उन्होंने चिंता जताई कि इस पिच पर पहले दिन 11 विकेट गिरे और दूसरे दिन 15 विकेट गिर गए, लेकिन इसके बारे में कोई सवाल नहीं उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, क्या यह खेल भारत में हो रहा है? अगर भारत में एक दिन में 15 विकेट गिरते, तो पूरे क्रिकेट जगत में हंगामा मच जाता। गावस्कर ने कहा, हम हमेशा विदेशी परिस्थितियों में खेलते हैं, लेकिन कभी कोई शिकायत नहीं करते। जब हम भारत में खेलते हैं, तो लोग हमारे पिचों पर सवाल उठाते हैं। क्या आपने कभी भारत के किसी पूर्व क्रिकेटर को पिच की शिकायत करते सुना है? हम हारते हैं, तो हारते हैं, लेकिन विदेशों में घरेलू टीमों को हराना बहुत मुश्किल होता है। गावस्कर ने यह भी कहा कि पिच पर इतनी घास थी कि वह बिल्कुल आदर्श टेस्ट मैच पिच नहीं लग रही थी। उन्होंने कहा, अगर बारिश नहीं होती, तो मुझे नहीं लगता कि हम चौथे दिन तक यहां खेलते रहते। इस पिच पर पिच और गेंदबाजों के लिए कोई अनुकूलता नहीं है।

टीम इंडिया का कप्तान बनना आसान नहीं, सम्मान और दबाव झेलने पड़ते हैं : रोहित

बुमराह की कप्तानी की जमकर तारीफ, नए खिलाड़ी स्थान के महत्व को पहचाने

मेलबर्न। सिडनी में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रहे 5वें टेस्ट मैच में कप्तान रोहित शर्मा को आराम दिया गया है। उनकी जगह जसप्रीत बुमराह टीम की कमान संभाल रहे हैं। रोहित शर्मा ने टीम में शामिल नए खिलाड़ियों को महत्वपूर्ण संदेश दिया और बुमराह की कप्तानी की जमकर तारीफ की। रोहित ने नए खिलाड़ियों के नेतृत्व क्षमता को लेकर कहा कि टीम इंडिया का कप्तान बनना आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी हर किसी को थाली में परोसकर नहीं मिलती है। इसे कमाना पड़ता है। यह सम्मान और दबाव दोनों के साथ आता है। नए खिलाड़ियों को स्थान के महत्व को पहचानना होगा।बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में रोहित शर्मा की बल्लेबाजी फॉर्म पर सवाल उठे हैं। उन्होंने कहा कि खराब फॉर्म और आलोचना का सामना करना खेल का हिस्सा है। कप्तानी को लेकर उन्होंने कहा कि नेतृत्व में हर दिन अच्छा नहीं हो सकता, लेकिन विचारधारा और मानसिकता को स्थिर रखना जरूरी है। परिणाम भले न आएं लेकिन नेतृत्व के अपने तरीके और दृष्टिकोण को बदलने का कोई कारण नहीं है। बुमराह की कप्तानी को लेकर रोहित ने तारीफ की। उन्होंने कहा कि बुमराह खेल के प्रति गहरी समझ रखते हैं। वह दूसरों के लिए अपनी गेंदबाजी से उदाहरण पेश करते हैं। मैंने उन्हें 2013 में पहली बार देखा था और तब से उनके खेल और सोच में काफी विकास हुआ है। जिस तरह वह गेंदबाजी करते हैं, वह पूरी दुनिया देख रही है। उनके पास टीम को आगे रखने की बेहतरीन क्षमता है। रोहित शर्मा ने टीम इंडिया के इतिहास और क्रिकेट खेलने के तरीके को लेकर गर्व महसूस किया और कहा कि यह जिम्मेदारी लेने वालों को इसे अर्जित करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि हार कोई नहीं चाहता, लेकिन टीम का हर खिलाड़ी जीत के लिए प्रतिबद्ध है। रोहित ने उम्मीद जताई कि टीम इंडिया सिडनी टेस्ट को ड्रॉ करके सीरीज को बराबरी पर खत्म करने का प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि यह टीम के लिए एक सुनहरा मौका है, भले ही सीरीज जीतना अब संभव न हो।

व्यापार

वैश्विक संकेत, विदेशी निवेशकों की गतिविधियां तय करेगी शेयर बाजार की चाल : विश्लेषक

वृहद आर्थिक आंकड़े और रुपये-डॉलर का रुख भी बाजार को प्रभावित करेगा

मुंबई। इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुझानों, विदेशी निवेशकों की गतिविधियों और कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इस सप्ताह गुरुवार से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के साथ तिमाही नतीजों का सीजन शुरू होने जा रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि वृहद आर्थिक आंकड़े और रुपये-डॉलर का रुख भी बाजार को प्रभावित करेगा। एक वरिष्ठ शोध विश्लेषक ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजों की शुरुआत इसी सप्ताह होने जा रही है। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज टीसीएस और टाटा एलेक्सी गुरुवार नौ जनवरी को अपनी वित्तीय नतीजों की घोषणा करेंगी। निवेशकों की निगाह व्यक्तिगत शेयरों के प्रदर्शन पर रहेगी। उन्होंने कहा कि तिमाही नतीजों के बाद बाजार का ध्यान आगामी आम बजट और डोनाल्ड ट्रंप 2.0 प्रशासन के नीतिगत निर्णयों पर रहेगा। उन्होंने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुद्ध बिकवाल रहे हैं, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) लिवाल बने हुए हैं। एफआईआई और डीआईआई के बीच इस तरह का संघर्ष आगे भी जारी रहेगा और यह इस सप्ताह बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बाजार के जानकारों ने कहा कि नए साल के दूसरे सप्ताह को देखते हुए कई प्रमुख घटनाक्रम बाजार की धारणा प्रभावित कर सकते हैं। तिमाही नतीजों की शुरुआत टीसीएस के साथ होगी। तीसरी तिमाही के बेहतर नतीजों से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निकासी का रुख पलट सकता है। इसके अलावा आगे के संकेतों के लिए निवेशकों की निगाह एचएसबीसी सेवा पीएमआई और औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़ों पर रहेगी। आगे बाजार कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजों पर निगाह रखेगा। उम्मीद की जा रही है कि कंपनियों के तिमाही नतीजों में इससे पिछली तिमाही की तुलना में सुधार देखने को मिलेगा। वैश्विक मोर्चे पर बात की जाए, तो फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे की इसी सप्ताह घोषणा होगी।

तीन दिन की तेजी के बाद सर्राफा बाजार में गिरावट, सोना और चांदी की घटी चमक

नई दिल्ली। तीन दिन की तेजी के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में आज गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोने की कीमत में आज 450 रुपये से लेकर 490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। सोने के भाव में आई गिरावट की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 78,860 रुपये से लेकर 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 72,300 रुपये से लेकर 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 78,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 78,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 78,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 78,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना आज 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

दाल-अनाज की खपत पांच फीसदी घटी

भारतीयों की प्राथमिकता पोषण के बजाय साफ-सफाई और खूबसूरत दिखना

नई दिल्ली। भारतीय परिवारों की खर्च प्राथमिकता में पिछले 12 वर्षों में काफी बदलाव आया है। नवीन रिसर्च रिपोर्ट से पता चलता है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में दालों और अनाज की खपत पांच फीसदी से अधिक घटी है। लोग अब खाद्य की बजाय गैर-खाद्य पदार्थों पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। रिपोर्ट दर्शाती है कि साफ-सफाई और खूबसूरत दिखने के सौंदर्य प्रसाधनों पर लोग ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। कपड़े, जूते जैसी चीजों पर खर्च कम हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, यह रुझान आर्थिक विकास और जीवनशैली में बदलाव की ओर इशारा कर रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों पर व्यय तेजी से घट रहा है जबकि शहरी क्षेत्रों में यह तेजी से नहीं। पिछले 12 वर्षों में ग्रामीण क्षेत्रों में 5.86 फीसदी अंकों की गिरावट दर्ज की गई। इससे यह स्पष्ट है कि भारतीय परिवारों की प्राथमिकताएं बदल रही हैं, जिसमें खाद्य की खपत कम होने के साथ-साथ गैर-खाद्य पदार्थों पर ध्यान बढ़ रहा है।

एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी को मिली 1,000 मेगावॉट की सौर परियोजना

कंपनी को यूपीपीसीएल से परियोजना के आवंटन पत्र का इंतजार

नई दिल्ली। एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) से 1,000 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना हासिल कर ली है। एनटीपीसी आरईएल ने 2.56 रुपये प्रति किलोवाट घंटा की दर पर 1,000 मेगावाट क्षमता की परियोजना प्राप्त की है। अभी कंपनी को यूपीपीसीएल से इस परियोजना के आवंटन पत्र का इंतजार है। एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एनटीपीसी आरईएल), एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। यह यूपीपीसीएल द्वारा आयोजित ई-रिवर्स नीलामी में सफल बोलीदाता के रूप में उभरी है। इस नीलामी का उद्देश्य शुल्क आधारित प्रतिस्पर्धी बोली के जरिये भारत में 2,000 मेगावाट आईएसटीएस-कनेक्टेड सौर पीवी बिजली परियोजनाओं की स्थापना को सौर ऊर्जा डेवलपर का चयन करना था।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से चार कंपनियों का मार्केट कैप 96,605.66 करोड़ घटा

शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

मुंबई। पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे कीमती कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 96,605.66 करोड़ रुपये की गिरावट देखी गई। इन में से सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक को हुआ। बीते सप्ताह टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण गिर गया, वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, आईटीसी, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत में बढ़ोतरी देखी गई। इन छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण सामूहिक रूप से 82,861.16 करोड़ रुपये बढ़ा। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 37,025.46 करोड़ रुपये घटकर 13,37,919.84 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 29,324.55 करोड़ रुपये घटकर 8,93,378.50 करोड़ रुपये, टीसीएस की बाजार हैसियत 24,856.26 करोड़ रुपये घटकर 14,83,144.53 करोड़ रुपये और एसबीआई का मूल्यांकन 5,399.39 करोड़ रुपये घटकर 7,08,168.60 करोड़ रुपये पर आ गया। इस रुख के विपरीत रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 41,138.41 करोड़ रुपये बढ़कर 16,93,373.48 करोड़ रुपये, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 15,331.08 करोड़ रुपये बढ़कर 5,65,194.18 करोड़ रुपये, एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 13,282.49 करोड़ रुपये बढ़कर 5,74,689.29 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का मूल्यांकन 9,031.19 करोड़ रुपये बढ़कर 8,04,834.34 करोड़ रुपये, आईटीसी का मूल्यांकन 3,878.63 करोड़ रुपये बढ़कर 6,03,064.44 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का मूल्यांकन 199.36 करोड़ रुपये बढ़कर 9,10,934.58 करोड़ रुपये रहा। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

हिमेश रेशमिया की फिल्म बैडएस रवि कुमार का मोशन पोस्टर जारी

5 जनवरी को रिलीज होगा ट्रेलर

बैडएस रवि कुमार की दुनिया में गोता लगाने के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि आपने सामने जल्द ही आ रही है एक हाई-ऑक्टेन एक्शन म्यूजिकल फिल्म, जो आपको 80 के दशक में वापस लाने का वादा करती है। फिल्म में आपको डायलॉगबाजी के साथ एक रेट्रो रैप्सोडी देखने को मिलेगी। फिल्म बैडएस रवि कुमार का जबर्दस्त रेट्रो लुक सामने आ चुका है। इस मोशन पोस्टर में फिल्म के सार को पूरी तरह से साफ कर दिया है कि सिंगर हिमेश रेशमिया अब एक रेट्रो एक्शन म्यूजिकल फिल्म में नजर आने वाले हैं। हिमेश रेशमिया को इस फिल्म के जरिए उनकी बॉलीवुड में वापसी मानी जा रही है। कभी फिरोज खान, राजीव राय और नासिर हुसैन जैसे दिग्गजों के साथ-साथ प्रसिद्ध आरडी बर्मन शैली के संगीत का जादू फिर से दिखाई देगा। फिल्म बैडएस रवि कुमार 80 के दशक की तरह की तस्वीर लेकर सामने आएगा। हाल ही में रिलीज हुए मोशन पोस्टर ने प्रशंसकों के बीच जबर्दस्त चर्चा बटोरी है, जिसमें ट्रेलर रिलीज की तारीख 5 जनवरी बताई गई है। कीथ गोम्स द्वारा निर्देशित और हिमेश रेशमिया मेलोडीज द्वारा निर्मित, बैडएस रवि कुमार 7 फरवरी 2025 को बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए होगी। बैडएस रवि कुमार के मोशन पोस्टर की रिलीज के बाद से सोशल मीडिया पर यूजर्स लगातार कमेंट कर रहे हैं और फिल्म को लेकर अपनी राय व्यक्त कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, अब मीम्स ही मीम्स मिलेगी देखना, एक और यूजर ने लिखा, सुपर एक्साइटेड हूं इसके लिए एक और यूजर ने लिखा, मैंने इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार किया है। इससे पहले वह हैप्पी हार्डी और हीर में नजर आए थे। यह फिल्म साल 2020 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म से पहले वह तेरा सुरूर, द एक्सपोज और खिलाड़ी 786 में नजर आ चुके हैं। म्यूजिक इंडस्ट्री में शोहरत पाने के बाद हिमेश ने साल 2007 में एक्टिंग की दुनिया में आने का फैसला किया था। फिल्म का नाम आपका का सुरूर था। इस फिल्म के गाने लोगों को काफी पसंद आए थे, लेकिन उनका अभिनय लोगों पर अपना जादू नहीं चला पाया।

आयरा बंसल तेलुगु फिल्मों में डेब्यू करेंगी

गोविंदा और वरुण शर्मा की फ्राई डे फिल्म की को-स्टार आयरा बंसल ने हाल ही में अपनी तेलुगु डेब्यू फिल्म की शूटिंग पूरी की है, जो 2025 में रिलीज होगी। आगरा की रहने वाली और अभिनेत्री आयरा बंसल ने फ्राई डे, 36 फार्म हाउस और द जोया फैक्टर जैसी फिल्में की हैं और वह साउथ में डेब्यू करने के लिए काफी उत्साहित हैं। अपनी आने वाली फिल्म के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मेरी तेलुगु डेब्यू एक एक्शन फिल्म है, जिसका नाम शिवा- द फाइटर है। इस फिल्म में मैं इंदुकुरी सुनील वर्मा, विकास वशिष्ठ और पोसानी कृष्ण मुरली के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर कर रही हूं। फिल्म की डबिंग और पोस्ट प्रोडक्शन का काम चल रहा है, एक बार यह जल्दी ही पूरा हो जाए तो मैं इसके बारे में और बात कर पाऊंगी। म्यूजिक वीडियो में काम करने से आयरा को और काम मिलने में मदद मिली। उन्होंने राजू खेर के साथ सिंगल मेरी बिटिया,अली मर्चेंट के साथ है कहाँ, विनय बावा के साथ बुके और दो पागल में काम किया है। आयरा को लगता है की भगवान की खास कृपा है उनपे, क्योंकि उन्हें अपनी पिछली फिल्मों में कई बहुमुखी प्रतिभा वाले अभिनेताओं के साथ काम करने का मौका मिला। मैं खुद को भाग्यशाली महसूस करती हूँ, क्योंकि मुझे अपनी फिल्म फ्राई डे में गोविंदा और वरुण शर्मा जैसे अभिनेताओं के साथ काम करने का मौका मिला। जैसा कि हम जानते हैं की उनकी कॉमिक टाइमिंग सबसे अच्छी है। दूसरी ओर, मुझे 36 फार्म हाउस में संजय मिश्रा और विजय राज जैसे गंभीर अभिनेताओं और विनीत कुमार सिंह, सौरभ शुक्ला और अन्य के साथ आधार में काम करने का मौका मिला। सेट पर उनके साथ जितना भी समय बिताने का मौका मिला, मैंने उनसे जितना हो सका सीखने की कोशिश की और खुद को एक अभिनेता के रूप में निखारा, आयरा ने अनुभवी अभिनेताओं के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने के बारे में चर्चा करते हुए कहा। फिल्मों और संगीत वीडियो के अलावा, आयरा ने भारत और अमेरिका में कई फैशन डिजाइनरों के लिए रैंप वॉक किया है। आयरा बंसल बिग बॉस सीजन 17 की प्रतिभागी और अभिनेत्री सोनिया बंसल की बहन हैं, लेकिन उन्हें अपना सारा काम ऑडिशन देकर और कास्टिंग एजेंसी की मदद से मिला है। वह खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि उनकी बहन सोनिया उनसे पहले इंडस्ट्री में इंटर किया और जब भी उन्हें मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है, तो वह उनसे मार्गदर्शन ले

लवयापा का टाइटल ट्रैक आउट, जुनैद खान-खुशी कपूर के बीच जबरदस्त दिखी केमिस्ट्री

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान के बेटे जुनैद खान अपनी आगामी फिल्म लवयापा की रिलीज के लिए तैयार है. रिलीज से पहले मेकर्स ने जुनैद खान और खुशी कपूर की फिल्म का टाइटल ट्रैक रिलीज किया है. इस गाने में सोशल मीडिया के दौर में जुनैद और खुशी के बीच की मजेदार केमिस्ट्री दिखाई गई है. नक्श अजीज और मधुबंती बागची ने इस गाने को अपनी आवाज दी है. जी म्यूजिक कंपनी ने इंस्टाग्राम पर गाने की झलक पेश की है और कैप्शन में लिखा है, बाबू शोना करते-करते हो गया दिमाग का भजियापा? खैर, यह लवयापा की शुरुआत है. लवयापा हो गया गाना रिलीज हो गया है. लवयापा इस वैलेंटाइन वीक में 7 फरवरी 2025 से सिनेमाघरों में. यह आगामी रोमांटिक कॉमेडी 7 फरवरी, 2025 को रिलीज होगी. लाल सिंह चड्ढा का निर्देशन करने वाले अद्वैत चंदन इस प्रोजेक्ट को निर्देशित करने के लिए आए हैं. फिल्म का निर्माण फैंटम स्टूडियो और एजीएस एंटरटेनमेंट ने किया है. मेकर्स के अनुसार, लवयापा प्यार और उसकी कॉम्प्लिकेशन की एक उलझी हुई कहानी है जिसमें मस्ती और मजाक दोनों है, जो एक सिनेमाई ट्रीट बनने जा रही है. जुनैद ने नेटफ्लिक्स की फिल्म महाराज से अपने अभिनय

करियर की शुरुआत की, जिसमें जयदीप अहलावत और शरवरी भी हैं. सिद्धार्थ पी मल्होत्रा की निर्देशित और वाईआरएफ एंटरटेनमेंट के तहत आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित यह फिल्म स्वतंत्रता-पूर्व भारत पर आधारित है, जो 1862 के महाराज मानहानि मामले के इर्द-गिर्द घूमती है. दिवंगत श्रीदेवी और निर्माता बोनी कपूर की बेटी खुशी ने भी नेटफ्लिक्स के साथ अपने अभिनय करियर की शुरुआत की. उन्होंने जोया अख्तर के निर्देशन में बनी फिल्म द आर्चीज में अभिनय किया, जिसमें शाहरुख खा और गौरी खान की बेटी सुहाना और अमिताभ बच्चन के पोते अगस्त्य ने भी अपने करियर की शुरुआत की. यह फिल्म पिछले साल ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आई थी.

जान्हवी कपूर ने इंस्टाग्राम पर शेयर की ग्लैमरस तस्वीरें, फैंस हुए दीवाने

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ शानदार तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें उनका ग्लैमरस अंदाज देखने लायक है. तस्वीरों में जान्हवी ने सिल्वर शिमरी टॉप और बेल्ट स्टाइल ग्रे स्कर्ट पहना हुआ है, जो उन्हें एक डिवा लुक दे रहा है. जान्हवी ने अपने लुक को खुले कर्ली बालों और न्यूड ग्लो मेकअप के साथ पूरा किया है. उनकी स्टाइलिंग में शार्प कॉन्टूरिंग और हाईलाइटर का परफेक्ट इस्तेमाल देखा जा सकता है, जो उनके चेहरे पर ग्लो एड करता है. इन तस्वीरों में जान्हवी ने दीवार के पास खड़े होकर स्टाइलिश पोज दिए हैं, जिससे उनकी अदाएं और भी कातिलाना लग रही हैं. पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, पुश 2 स्टार्ट और इस पर फैंस से लेकर सेलेब्स तक जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं. मृणाल ठाकुर ने फायर इमोजी के साथ उनकी

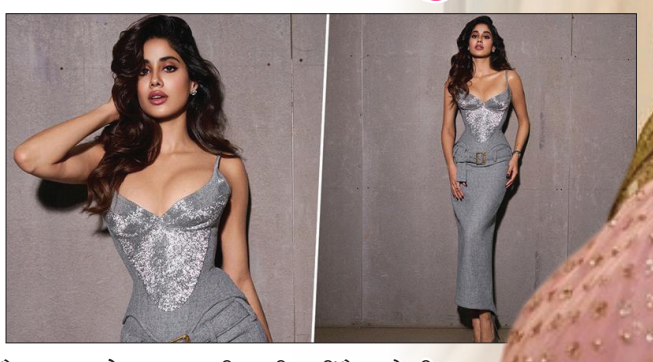

तारीफ की, वहीं फैंस ने भी उन्हें स्ले क्वीन और स्टनिंग कहकर सराहा है. जान्हवी के इस पोस्ट को अब तक 6.5 लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं, जो उनकी पॉपुलैरिटी को साबित करता है. उनकी यह ग्लैमरस तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं.

New Orleans planned security system not equipped to withstand speeding vehicles

Agency: At least 14 people were killed, and about 30 others were injured early on New Year's Day when a man drove a pickup truck with the Islamic State group flag into a crowd in the French Quarter of New Orleans, city in Louisiana, US, and opened fire. Officials have labeled it a deliberate attack, and the FBI is investigating it as a potential act of terrorism. The attack unfolded on Bourbon Street, known worldwide as one of the largest destinations for New Year's Eve parties. Large crowds had gathered in the city ahead of the College Football Playoff quarterfinal at the Sugar Bowl, which was postponed. Months before the deadly New Year's Day attack, city officials in New Orleans had modeled potential scenarios in which a vehicle could enter Bourbon Street at various intersections, specifically using a Ford F-150 pickup truck, similar to the one involved in the attack, news agency Reuters reported.

According to a study, such a truck could reach speeds ranging from 12 to 70 mph while driving through the crowded tourist area. However, despite these concerns, the city had decided to install new street barriers—bollards—that can only withstand impacts at speeds of up to 10 mph. This decision was based on an engineering analysis and city bidding documents, the report said. These new bollards, planned to be installed before the Super Bowl in February 2025, were not yet in place during the New Year's Day attack. The Reuters report claimed that the documents reviewed made it clear that these bollards would not have been able to stop a vehicle traveling at moderate-to-high speeds, highlighting a potential flaw in the city's security planning. The decision to prioritize ease of operation over crash safety was largely due to problems with the old bollard system, which required frequent maintenance. New Orleans had been under pressure to improve its security measures since at least 2020, following a string of deadly vehicle attacks globally, including the 2016 attack in Nice, France, that killed 86 people. The city's earlier bollard system, installed in response to increasing concerns about vehicle attacks globally, had its own set of issues, the Reuters report said. The initial system used the Heald HT2 Matador, which allowed workers to move barriers along tracks in the street. However, this system became frequently inoperable because debris, such as Mardi Gras beads, jammed the tracks. Additionally, the mechanism to lock and unlock the barriers was often submerged in what one source, speaking to Reuters, called "Bourbon Street juice"—a mix of street grime, spilled drinks, and trash—making it difficult for workers to operate. Following these issues, city officials decided to choose a new bollard system rated for 10-mph impacts. These bollards were lightweight and easier to operate daily, with each post weighing just 44 pounds compared to the 86-pound posts rated for 20 mph. However, this new system, which was intended to be installed by a single

city worker each day, would not have prevented the attack on New Year's Day. The system selected was insufficient to stop vehicles traveling at higher speeds, such as those modeled in the city's earlier engineering analysis, where an F-150 could have reached speeds of 50 mph or 70 mph. On New Year's Day, the attacker, identified as Shamsud-Din Jabbar, a US combat veteran from Texas, took advantage of gaps in the city's security planning. He managed to squeeze his seven-foot-wide pickup onto an eight-foot-wide sidewalk between a drugstore and a police vehicle, then accelerated and drove through the crowd. Jabbar died after a shootout with police, and US federal authorities have said he was radicalized and had pledged allegiance to the Islamic State. The city's earlier security modeling, which focused on scenarios where a vehicle entered Bourbon Street on the road, did not account for the possibility of a vehicle entering from the sidewalk. The study found that most of Bourbon Street's narrow sidewalks had existing barriers, like fire hydrants and streetlights, which would have prevented vehicles from entering. However, Jabbar exploited this vulnerability by driving his vehicle onto the sidewalk. Since the attack, New Orleans officials have faced criticism regarding their security planning, with many questioning whether the city had left residents vulnerable while transitioning from the old bollards to the new ones. Despite these concerns, both the old and new systems would not have stopped the vehicle from entering the area, the Reuters report said, quoting the city's security planning sources. New Orleans city officials have been studying how to improve New Orleans' security infrastructure since 2020, with a focus on protecting Bourbon Street from vehicle attacks. In 2017, following international vehicle attacks, the city installed its first bollard system. However, this system's inefficiencies, combined with the challenges of protecting pedestrians while allowing normal vehicle and pedestrian traffic, led to the decision to replace it with a more easily operable system. The decision to select the 10-mph bollard system was based on the city's need to balance safety with operational efficiency. The new bollards were easier to install and remove daily compared to higher-rated bollards that would require specialized equipment to move.

Arvind Kejriwal says projects launched by PM Modi 'joint ventures' of Delhi government, Centre

Agency: Aam Aadmi Party (AAP) chief Arvind Kejriwal, addressing a press conference on Sunday following the inauguration of several key projects in Delhi, on Sunday called it a joint venture between Delhi government and the Centre, showing 'AAP's commitment' to Delhi. "Projects launched by PM joint venture between Delhi government, Centre; reflects AAP's commitment to city's development," said Kejriwal. "Today, the first phase of RRTS, connecting Sahibabad to New Ashok Nagar was inaugurated along with Delhi metro's new line connecting Krishna Park with Janakpuri West, and the foundation stone was laid for a new metro line connecting Rithala with Kundli. I congratulate the people of Delhi," he added. The AAP national convenor also praised AAP saying that, "Those who blame that - the AAP keep fighting - today's inauguration is an example that shows that AAP only works for the people of Delhi. They sent our top leadership to jail - but the atrocities that happened against us, we didn't make that an issue - otherwise these projects would not have been inaugurated." He then went on attack PM Modi and BJP directly during his address. "Today, the PM spoke for 30 minutes and he kept abusing the people of Delhi and the elected government of Delhi - I was listening to it, it felt bad." he said adding, "promise made by the PM in Delhi in 2020 - the people of Delhi Dehat are still waiting for that to be fulfilled" Kejriwal also claimed that, "BJP is seeking votes for Delhi Assembly polls by abusing him." This comes as Prime Minister Narendra Modi launched operations on a 13-kilometre Namo Bharat corridor connecting Sahibabad to New Ashok Nagar on the Delhi-Ghaziabad-Meerut route, with an investment of approximately Rs 4,600 crore. Additionally, he initiated services on the 2.8-kilometre Delhi Metro Phase-IV section between Janakpuri and Krishna Park, constructed at a cost of around Rs 1,200 crore. The Prime Minister also initiated construction work for the 26.5-kilometre Rithala-Kundli section under Delhi Metro Phase-IV, valued at Rs 6,230 crore. This new line will establish connectivity between Rithala in Delhi and Nathupur (Kundli) in Haryana, substantially improving transport access in Delhi's North-Western regions and neighbouring Haryana.

Joe Biden Gives George Soros United States Highest Civilian Award

✍Priyansh Kashyap

President Biden announced the recipients of the Presidential Medal of Freedom on Saturday, naming 19 individuals whose contributions span politics, philanthropy, sports, and the arts. Soros, a billionaire investor and founder of the Open Society Foundations, was cited for his "focus on global initiatives that strengthen democracy, human rights, education, and social justice," according to the official White House statement. Other notable awardees this year include former Secretary of State Hillary Clinton, football legend Lionel Messi, and actors Michael J Fox and Denzel Washington, among others. Soros' selection has sparked polarised responses, particularly given his longstanding role as a key donor to Democratic causes and his frequent vilification by Republican politicians. Critics, including Musk and several Republican figures, have framed the honour as politically motivated. President Biden, however, defended the list of recipients as individuals who embody America's values and contribute to its global standing. "These nineteen individuals are great leaders who have made extraordinary contributions to our country and the world. They defend the values of America, even when under attack,"

Biden stated during the announcement. The Republican Party has long accused Soros of using his wealth to influence global politics. George Soros was at the centre of a political flashpoint in India as well. The Winter Session of Parliament witnessed chaos in December as BJP chief JP Nadda accused the Congress of being linked to Soros and his organisations. Mr Nadda claimed that the Congress party was acting as a "tool" of foreign forces to destabilise India, citing alleged ties between party chief leader Sonia Gandhi and Soros-funded initiatives. Congress leader Mallikarjun Kharge refuted the allegations, calling them baseless and accusing the BJP of diverting attention from pressing socio-economic issues in the country. The heated exchange led to multiple adjournments in both houses of Parliament. Soros' influence and the controversy surrounding him extend far beyond international borders. His Open Society Foundations have faced pushback in countries like Hungary and Russia, where his initiatives are often painted as foreign interference.

Akshay Kumar And Veer Pahariya Take The Fight To The Skies

Agency: The much-awaited trailer of Akshay Kumar's Sky Force is finally out, and it packs a punch. Akshay Kumar and Veer Pahariya are taking the fight to the skies as Indian Air Force officers in a high-flying, action-packed adventure. Released on Sunday, the trailer sets the stage for a gripping tale set against the intense 1965 India-Pakistan Air War. Akshay Kumar returns in a fierce, no-nonsense role as an Indian Air Force officer, while debutant Veer Pahariya steps into the shoes of his fellow officer. The trailer kicks off with Akshay delivering a powerful warning to Pakistan as he decides to launch India's first airstrike. The action escalates quickly when Veer Pahariya goes missing during the strike, leaving Akshay convinced that he's still alive and trapped in Pakistan. Sara Ali Khan appears as Veer's love interest.

On Saturday, the makers shared first-look posters of Akshay Kumar and Veer Pahariya. The caption read, "This New Year, soar into the skies with #SkyForce - the untold story of India's first and deadliest airstrike ever. Trailer out tomorrow. In cinemas on 24th January 2025." Akshay Kumar shared the motion poster of the film on his Instagram, featuring both him and Veer dressed as Indian Air Force officers. Sky Force tells the untold true story of India's first airstrike, highlighting the bravery, emotion and patriotism of the men in uniform. Directed by Sandeep Kelwani and Abhishek Kapur, the film is produced by Dinesh Vijan, Jyoti Deshpande and Amar Kaushik. Sky Force will hit theatres on January 24, 2025. In addition to Sky Force, Akshay Kumar will also be seen in Priyadarshan's Bhooth Bangla, which is slated for release on April 2, 2026.

Pat Cummins Statement On Virat Kohli Retirement Rumours Wins Internet

✍Priyansh Kashyap

Australian skipper Pat Cummins rates Virat Kohli as a great competitor who makes the game lively with his theatrics and he will be "sad" if the latest Border-Gavaskar trophy does end up being the Indian superstar's last tour Down Under. Following the hundred in the series opener, Kohli's troubles outside the off-stump compounded as he was caught in the slip cordon eight times over the course of five Tests. The tour that got over on Sunday is likely to be Kohli's last. "It's always been a a wonderful contest. More than just the runs that he scored, he brings a bit of theatre to the game which is sometimes good and sometimes it can rile you up as an opposition, which I'm sure is part of his plans," Cummins said in a response to a PTI query after the six wicket win here. "Really enjoyed playing with him. You know, he's been one of the the star batters for the last decade or so. You know, if you get his wicket it goes a long way to winning a game so yeah, it will be sad if it's his last series." Cummins did admit that Bumrah's

absence on the final day of the series did help them, considering he took 32 wickets in the series. "Every time he (Bumrah) bowled he seemed to have an impact and took some key wickets. So yeah, no doubt that (his absence) helped our chase a little bit." Although he termed it as Indian team's internal matter, Cummins was a touch surprised with Rohit Sharma's decision to drop himself from the playing eleven on account of poor form. "I think you're always surprised when the captain kind of doesn't play. And you know, same with Ashwin retiring, but honestly it doesn't really affect us at all. "You just turn up and you see who's going to be on the team sheet and you play whoever eleven they put out there. Honestly, it's been very little conversation I've chatted with him about what's going on there," Cummins said. He termed the win against India as "huge" in the context of the Indo-Australia bilaterals, having lost twice at home previously. "No, it's a huge win in the context of this series. It's as big a series as you get to play at home. It felt like it was kind of see-sawing throughout the whole series. So to finish it 3-1 to hold the trophy is an amazing feeling," Cummins said. "and I think the extra layer is now securing a spot in the World Test Championship Final which was always a huge goal for us in this cycle." He has been a part of T20 World Cup winning squad, won the 50-over World Cup, World Test Championship mace and Ashes as the skipper and now the India series that his predecessor Tim Paine had lost twice. When he was asked if he has any succession plan in place, he sidestepped the issue. "First of all I just absolutely love what I do. So, I mean that's probably the biggest driver in wanting to play Test Cricket and work with this team and support staff." So does he feel that he has done it all? "Unfortunately, I have got to keep playing. We'll stay on this side guys and then we'll come over here," he smiled and everyone laughed.

Coast Guard Chopper Crashes In Gujarat Porbandar, 3 Dead

Agency: An Advanced Light Helicopter (ALH) of the Indian Coast Guard crashed in Gujarat's Porbandar, killing three people, sources told NDTV. Three crew members onboard the chopper died in the crash after it was up in flames. The ALH Dhruv, which is operated by the armed forces, crashed in an open field and was up in flames, visuals showed. The reason behind the crash is still not known and an inquiry has been launched. The Dhruv chopper was on a routine sortie when it crashed. The crash took place at the Air Enclave of the Indian Coast Guard and a few people were also injured in the crash. They are being treated at the civil hospital, sources said. The Indian Coast Guard is a maritime law enforcement and search and rescue agency, with jurisdiction in India's territorial waters. The identity of the victims is unknown and more details are awaited. Four months ago in September, three crew members went missing after the ALH MK-III helicopter fell into the Arabian Sea off Porbandar. While the bodies of two crew members were recovered subsequently, a search continued to trace Rakesh Kumar Rana, the pilot in command of the mission. After a month-long search, the pilot's body was recovered in October off the Gujarat coast by the Coast Guard. The chopper crashed while trying to evacuate an injured man on board motor tanker Hari Leela, nearly 30 nautical miles from the Porbandar coast. Two years ago, a string of flaws were identified in the ALH Dhruv chopper, which is operated by the Army, Navy and the Air Force. There were certain design and metallurgy issues in some components that were identified. The scrutiny was carried out after accidents involving the platform that had forced the Army and the Indian Air Force to ground their fleets. The choppers that were grounded resumed their operations following the completion of the safety audit. The Indian Navy, the IAF, the Army and the Coast Guard have a total of over 325 ALH Dhruv helicopters and all of them underwent technical checks following the incidents of accidents in 2023.

Delhi gets its first Namo Bharat connectivity, PM Modi takes train ride

Agency:Prime Minister Narendra Modi on Sunday inaugurated the 13-km additional stretch of Delhi-Ghaziabad-Meerut Namo Bharat corridor between Sahibabad in Uttar Pradesh and New Ashok Nagar in the national capital, worth around Rs 4,600 crore, marking a significant milestone in enhancing regional connectivity. With this inauguration, Delhi got its first Namo Bharat connectivity. This will significantly ease travel between Delhi and Meerut and will benefit millions of people through high-speed and comfortable travel along with unmatched safety and reliability. With this inauguration, Namo Bharat Trains have now arrived in Delhi, ushering in a new chapter of high-speed mobility options for the National Capital. Currently, a 42-km stretch of the corridor between Sahibabad and Meerut South, featuring nine stations, is operational. With this inauguration, the operational stretch of the Namo Bharat Corridor has expanded to 55 km, with a total of 11 stations.

Take my words back: BJP Bidhuri first defends, then regrets Priyanka comment

Agency: Bharatiya Janata Party's candidate from Delhi's Kalkaji assembly constituency, Ramesh Bidhuri, expresssed "regret" after a major row broke out following his comments on Congress MP Priyanka Gandhi on Sunday. Talking to news agency ANI, he said: "I express regret over it and I take my words back." The BJP candidate in the upcoming Delhi assembly polls courted controversy when he said that after the BJP wins, he would develop roads in his constituency as smooth as Congress leader Priyanka Gandhi's "cheeks". "I assure you that just as we made the roads in Okhla and Sangam Vihar, we will make all the roads in Kalkaji like Priyanka Gandhi's cheeks," he was heard saying in the purported video, which went viral on social media. Bidhuri initially defended his comment by addressing the media amid opposition's criticism of his remark. "Hema Malini is also a woman, those who made mistake first should apologise first. She was from a simple family, she is not a woman, and the one who is from a known family, is a woman, how is it possible? Congress should rectify first, then we will also rectify. BJP doesn't make false promises. There are 140 crore common people, is it not a big thing when comments are made against them. Hema Malini is from south, does that mean that she is not a woman, everybody should get respect. Congress should clear, Lalu ji was in his cabinet, they should have made him apologise, they did not ask for it because she was from a simple family. It is their hypocrisy.